केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :49 अंक 98 शुक्रवार 30 अक्टूबर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

सेवानिवृत्त आइएएस अधिकारी माजिद अली का निधन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । गोरखपुर समेत कई जिलों के जिलाधिकारी रहे 1980 बैच के सेवानिवृत्त आइएएस अधिकारी माजिद अली का गुरुवार को उनके गोमतीनगर लखनऊ स्थित आवास पर निधन हो गया ।

मूलतः बस्ती जिले के नगर पंचायत रुधौली से सटे बखरिया गांव निवासी माजिद अली

बरेली कमिश्नर , ट्रांसपोर्ट कमिश्नर, डायरेक्टर इंडस्ट्रीज, न्ैक्ब् अध्यक्ष सहित कई महत्वपूर्ण विभागों के प्रमुख सचिव भी रह चुके है । उन्हें ईमानदार और कर्मठ अधिकारियों में गिना जाता रहा है।

उनके नजदीकी रिश्तेदार व मित्र डा इफ्तेखार अहमद ने बताया कि अंतिम संस्कार लखनऊ में ही किया गया ।

मूर्ति विसर्जन विवाद मामले में 5 गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र में 26 अक्टूबर को मूर्ति विसर्जन के दौरान हुए विवाद के मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एक बाल अपचारी को भी पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है।

पुलिस ने गुरुवार,को यह कार्रवाई की। मूर्ति विसर्जन के दौरान हुए विवाद को लेकर पुरानी बस्ती थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस इस मामले में आरोपियों की तलाश कर रही थी। गिरफ्तार आरोपियों में लखनौरा निवासी विक्की उर्फ विकास चौधरी (21) और परसा तकिया निवासी अभिषेक कुमार (20), सेराज अली (19), मोहम्मद आरिफ (19) तथा सलमान कुरैशी (20) शामिल हैं। इस मामले में कुल छह लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। पुलिस ने पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजने की कार्रवाई की। बाल अपचारी को नियमानुसार अभिरक्षा में लिया गया। विसर्जन के दौरान हुए हंगामे के बाद अस्पताल चौराहा और रोडवेज तिराहे पर नारेबाजी भी हुई थी।

कार्रवाई थाना प्रभारी शशांक शेखर राय के नेतृत्व में हुई। टीम में हेड कांस्टेबल राजेश प्रसाद, अरविंद यादव और राजेश कुमार तथा कांस्टेबल अरविंद गुप्ता, सतीश यादव और राहुल गौंड शामिल थे।

पंखे से लटका मिला युवक का शव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रुधौली थाना क्षेत्र के शुरुवार कला गांव निवासी सूरज वर्मा (28) का शव गुरुवार सुबह घर में पंखे से लटका मिला। सूरज कोलकाता में एक निजी कंपनी में नौकरी करते थे। वह करीब डेढ़ महीने पहले गांव आए थे। बुधवार रात उनकी छोटी बहन से फोन पर बातचीत हुई थी।

घटना की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के भाई इंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि घटना के समय घर पर मां विद्यावती देवी और दादी जीरा देवी मौजूद थीं। गुरुवार सुबह सूरज का शव पंखे से लटका मिला।

भाजपा की पद यात्रा से व्यापारियों को नुकसान: रैली का मैदान बने बाजार

नई दिल्ली (आभा)। जो बीजेपी कल तक कांग्रेस की रैलियों पर श्व्यापारियों को करोड़ों के नुकसानश का हिसाब मांग रही थी, आज वही चांदनी चौक के सबसे व्यस्त बाजार में खुद सवालों के कटघरे में आ खड़ी हुई है! करवा चौथ और दिवाली की चौखट पर सजे चांदनी चौक में जब गूंजनी चाहिए थी ग्राहकों की रौनक, तब वहां निकली बीजेपी की 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा। नतीजा? सड़कें जाम, ग्राहक नदारद और त्योहार के पीक सीजन में अपनी रोजी–रोटी ताकते बेबस व्यापारी। अब सवाल उठ रहा है कि जब विपक्ष प्रदर्शन करे तो 'व्यापार को घाटा', और जब खुद सत्ताधारी पार्टी करवा चौथ से ठीक एक दिन पहले एशिया के सबसे बड़े बाजार को रैली का मैदान बना दे, तो क्या तब व्यापारियों का नुकसान नहीं होता? आज बात इसी दोहरे मापदंड और चांदनी चौक के सुलगते दर्द की! भाजपा के कमल चांदनी चौक में छाए हुए नजर आए। भाजपा ने एक पद यात्रा निकाली जो कांग्रेस के खिलाफ थी और नारा था वो लोकतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ। भाजपा का मानना है कि राहुल गांधी और कांग्रेस अराजकता फैला रहे हैं देश में और एसआईआर के प्रोटेस्ट के माध्यम से एक पॉलिटिकल माइलेज लेना चाहते हैं। पर इस रैली वर्सेस रैली के बीच में कहीं चांदनी चौक थोड़ा सा फंस गया है। चांदनी चौक एक ऐसी जगह है जो दिवाली के टाइम पर जल उठती है। जो व्यापार है वह चरम स्तर पर होता है। पर आज व्यापारी थोड़े दुखी हैं। क्योंकि उनका मानना है क्योंकि उनका मानना है कि लोग जो हैं अब वो आ नहीं पा रहे हैं क्योंकि रैलियां हो रही हैं और उनके व्यापार पे इसका असर पड़ रहा है।

चांदनी चौक में करवा चौथ से एक दिन पहले बीजेपी की श्लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा पर एक्टिविस्ट और कुछ स्थानीय व्यापारियों ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने पूछा कि त्योहार से पहले बाजार में राजनीतिक कार्यक्रम से कारोबार प्रभावित होने की चिंता करने वाले लोग कहां है ? राजनीतिक एक्टिविस्ट योगेंद्र यादव ने सोशल मीडिया पर सवाल किया कि क्या दिल्ली के सबसे व्यस्त बाजार चांदनी चौक में मंच लगाकर प्रदर्शन करने के लिए बीजेपी ने पुलिस से 10 दिन पहले इजाजत ली थी या यह बिना इजाजत हुआ। किनारी बाजार के गोटा जरी व्यापार मंडल के पूर्व महा मंत्री संजय गुप्ता ने सवाल किया कि 1 नवंबर को कांग्रेस की रामलीला मैदान में महारैली से कारोबार को करोड़ों रुपये का नुकसान होने की बात कहने वाले व्यापारी नेता अब कहां हैं? लहंगे और सूट के व्यापारी राहुल शर्मा ने भी पूछा कि करवा चौथ से एक दिन पहले पदयात्रा से कारोबारियों को परेशानी नहीं हुई? सीटीआई चेयरमैन बृजेश गोयल ने कहा कि त्योहारों से पहले बाजारों में किसी भी राजनीतिक दल को कार्यक्रम से बचना चाहिए।

सीजेपी के अभिजीत दिपके ने सवाल उठाया कि क्या बीजेपी का मार्च किसी तय विरोध स्थल पर हो रहा है, और त्योहारों के मौसम में राजनीतिक प्रदर्शनों का व्यापार पर पड़ने वाले असर को लेकर चिंता जताई। कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़े अभिजीत दिपके ने दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की पदयात्रा की जगह और त्योहारों के मौसम में इस तरह के प्रदर्शनों का व्यापारियों पर पड़ने वाले असर पर सवाल उठाए हैं।

'डबल इंजन' की 'डबल हार'- अखिलेश यादव

लखनऊ (आभा)। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यूपी में 11 सीटों पर हुए विधान परिषद चुनाव में छह सीटों पर भाजपा के प्रदर्शन को 'डबल इंजन' की 'डबल हार' करार दिया। एमएलसी चुनाव के रिजल्ट पर अखिलेश ने दावा किया कि इन नतीजों ने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी की जीत की नींव रख दी है। सोशल मीडिया एक्स पर भी अखिलेश ने भाजपा की जीती छह सीटों पर सवाल खड़े करते हुए तंज कसा है।

वोटरों के नाम संदेश लिखते हुए अखिलेश यादव ने लिखा, भाजपा एक 'फ्लॉप शो' बन गई है। भाजपा वाले वाराणसी में पहले 'काउंटिंग' में हारे, फिर दोबारा 'री–काउंटिंग' में हारे, मतलब दो बार मतगणना हुई और दोनों बार भाजपा और उनके संगी–साथी हारे। ये डबल इंजन की डबल हार है। विधान परिषद के चुनावों में भाजपा की हार ने 2027 में होने वाले उ.प्र. विधानसभा चुनाव की प्रस्तावना लिख दी है। ये एक तरफ भाजपा की 'शिक्षक, शिक्षार्थी व शिक्षा' विरोधी नीतियों की हार है, तो दूसरी तरफ पढ़े–लिखे 'बेरोजगार स्नातकों' ने भी अपना फैसला सुना दिया है। अखिलेश ने आगे लिखा, भाजपा ने हर समाज को जिस तरह 'पीड़ित, दुखी, अपमानित' किया है, उससे सभी उत्पीड़ित एक साथ आ गए हैं।

अखिलेश यादव ने कहा, पीडीए का जनाधार अब 95: हो गया है, क्योंकि 'जो पीड़ित, वो पीडीए'! इससे भाजपा में अस्तित्व का संकट शुरू हो गया है, क्योंकि भाजपा के अंदर तो सभी लोग जानते हैं कि जो सीटें भाजपा जीती भी है, वो भी हेराफेरी से जीती गई हैं। भाजपा की अंदरूनी फूट से डबल इंजन की टकराहट और बढ़ गई है। इसीलिए भाजपाई प्रत्याशी विधानसभा चुनाव लड़ने की हिम्मत पूरी तरह हार गए हैं। जो भाजपा अब तक प्रत्याशियों का सर्वे करा रही थी, वो अब दूरबीन लेकर प्रत्याशी ढूँढ़ रही है।

मैं फख्र के साथ कहता हूं कि मैं दिमागी नक्सल हूं–नसीरुद्दीन शाह

मुम्बई (आभा)। सिने अभिनेता नसीरुद्दीन शाह ने कहा था, 'मैं फख्र के साथ कहता हूं कि मैं दिमागी नक्सल हूं। मुझे नहीं पता कि पहरेदारों ने मेरे जैसे लोगों को और कौन–कौन से उपनाम दिए हैं। राष्ट्रविरोधी, टुकड़े–टुकड़े गैंग और न जाने क्या–क्या। टुकड़े टुकड़े गैंग अगर कोई है इस मुल्क में, तो यह नाजायज हुकूमत है। मैं इस सरकार से एक सवाल पूछना चाहता हूं।'उन्होंने कहा, और क्या क्या करोगे तुम हमारे देश के युवाओं की हिम्मत को तोड़ने के लिए, शिक्षा संस्था को बर्बाद करने के लिए और हमारे लोकतंत्र को खतरे में डालने के लिए। कितना करोगे। तुम और तुमने जो अपने इर्द गिर्द बेवकूफ और बेईमानों की पलटन इकट्ठी की है, कहां तक जाओगे। पहले जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, फिर सत्यजीत रे इंस्टीट्यूट और अब जामिया मिल्लिया में जो छात्रों पर जुल्म किया जा रहा है, वो याद रखा जाएगा। सब याद रखा जाएगा। कर लो जितना को सके तुमसे।'

गनेशपुर में प्रस्तावित आवासीय कॉलोनी पर रोक लगाने की मांग, सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय दलित वर्ग संघ के राष्ट्रीय सचिव साधू शरण आर्य ने बस्ती मण्डल मुख्यालय से सटे गनेशपुर नगर पंचायत क्षेत्र में सुयश पेपर मिल के पास प्रस्तावित आवासीय कॉलोनी के निर्माण पर सवाल उठाते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से भेजा।

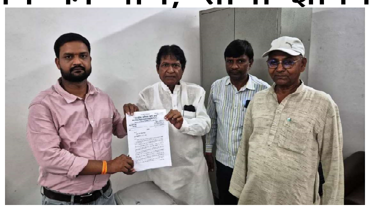

–पेपर मिल के पास आवासीय कॉलोनी अनुचित: नयी जगह खोजे प्रशासन– साधू शरन आर्य

ज्ञापन में प्रस्तावित कॉलोनी से आसपास के लोगों को होने वाली परेशानियों, भूमि विवाद और सरकारी धन के कथित दुरुपयोग की आशंका जताते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कर परियोजना को अन्य उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग की गई है।

ज्ञापन में कहा गया है कि गनेशपुर रोड स्थित सुयश पेपर मिल के बगल में विकास प्राधिकरण द्वारा आवासीय कॉलोनी विकसित करने की योजना बनाई जा रही है। साधु शरण आर्य का कहना है कि पेपर मिल से निकलने वाली राख के कारण आसपास के लोग पहले से प्रभावित हैं। ऐसे में उसी स्थान के बगल में आवासीय कॉलोनी विकसित किए जाने से लोगों के सामने स्वास्थ्य और पर्यावरण संबंधी समस्याएं खड़ी हो सकती हैं।

उन्होंने ज्ञापन देने के बाद कहा कि गनेशपुर क्षेत्र में एनएच–27 से गनेशपुर एवं बनबिहार की ओर जाने वाले मार्ग पर कट चौराहा बंद किए जाने से स्थानीय लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा, क्षेत्र में जंगल विकसित किए जाने से जंगली जानवरों के कारण जनहानि की आशंका तथा कुआनो नदी में बाढ़ के दौरान पानी भरने जैसी समस्याओं का भी जिक्र किया गया है।

साधू शरण आर्य ने ज्ञापन में आरोप लगाया कि प्रस्तावित परियोजना से संबंधित भूमि के अगले हिस्से को लेकर स्थानीय लोगों के बीच विभिन्न न्यायालयों में विवाद चल रहा है। उन्होंने राजस्व अभिलेखों में कथित हेराफेरी कर बाहरी लोगों को मुआवजे की धनराशि दिलाए जाने की आशंका भी जताई है। उन्होंने पूरे प्रकरण की बिंदुवार जांच कराकर तथ्यों के आधार पर कार्रवाई किए जाने की मांग की।

कहा कि आम जनता के हितों की अनदेखी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के विरुद्ध जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो वे शांत बैठने वाले नहीं हैं। जरूरत पड़ने पर आंदोलन की तैयारी की जाएगी।

ज्ञापन सौंपने वालों में गौरी शंकर, बलवंत यादव, अमीर आलम, राम धीरज चौधरी आदि शामिल रहे।

निषाद पार्टी जिलाध्यक्ष बने धर्मराज निषाद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। निषाद पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने धर्मराज निषाद को बस्ती का जिलाध्यक्ष घोषित किया है। धर्मराज निषाद ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद सहित शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। धर्मराज निषाद इससे पहले निषाद पार्टी के युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। युवा मोर्चा में उनकी सक्रियता और संगठन को मजबूत बनाने के लिए किए गए प्रयासों को देखते हुए उन्हें अब जिले के संगठन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

धर्मराज निषाद ने कहा कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद ने उन पर जो विश्वास जताया है, वे पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन–जन तक

पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

धर्मराज निषाद को जिलाध्यक्ष बनाये जाने पर दीपू निषाद, अशोक निषाद, प्रदीप निषाद, हरिप्रसाद साहनी, मोनू निषाद, रामपाल निषाद, रामू निषाद, चंद्रशेखर निषाद, एडवोकेट शिव शंकर श्रीवास्तव, यमुना निषाद, मनीषा निषाद, धनपत, राजेश भारती, आकाश चौधरी, विश्राम भारती सहित अन्य लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

कोटेदार पर राशन वितरण में अनियमितता का आरोप, जांच के बाद कोटा निरस्त करने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सदर तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत खदरा एवं बनगवां प्रथम में सरकारी राशन वितरण में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार को लेकर ग्रामीणों ने आवाज उठाई है। ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी सदर, बस्ती को शिकायती पत्र देकर संबंधित कोटेदारों के खिलाफ जांच में दोषी पाए जाने पर मुकदमा दर्ज करने और कठोर कार्रवाई करने की मांग की है।

खदरा निवासिनी पूनम पाण्डेय, रामकिशन, राम प्रीत, मिथलेश पाण्डेय आदि ने शिकायती पत्र में कहा है कोटेदार शिवाजी और ग्राम प्रधान प्रहलाद द्वारा अंत्योदय राशन कार्ड बनवाने तथा राशन वितरण में नियमों की अनदेखी की जा रही है। इसके अलावा, पात्र लाभार्थियों को निर्धारित मात्रा में राशन नहीं मिलने और राशन वितरण व्यवस्था में मनमानी किए जाने की शिकायत भी की गई है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि संबंधित लोगों की राजनीतिक पहुंच का हवाला देकर कथित तौर पर दबाव बनाने की बात कही जाती है। शिकायती पत्र में यह भी मांग की गई है कि राशन कार्डों की पात्रता, लाभार्थियों की संख्या, खाद्यान्न के आवंटन और वितरण अभिलेखों की जांच कराई जाए। साथ ही, संबंधित कोटेदारों एवं अन्य जिम्मेदार लोगों की भूमिका की निष्पक्ष जांच की जाए, ताकि सरकारी राशन वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच के बाद कोटेदार के विरूद्ध समुचित कार्यवाही करने के साथ ही कोटे को निलम्बित कर नये सिरे से कोटा आवंटन की प्रक्रिया शुरू किया जाय।

मारपीट में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी (बस्ती)। लालगंज थाना क्षेत्र के थाल्हापार गांव में मारपीट की घटना में गंभीर रूप से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने बनकटी–अहरा मार्ग पर जाम लगाकर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की थी। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए गुरुवार को तीन वांछित आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाल्हापार गांव निवासी बालगोबिंद चौधरी पुत्र कालीचरण और उनके परिवार के कुछ लोगों पर गांव के ही जन्मेजय पुत्र रामबहाल के साथ सोमवार रात करीब आठ बजे मारपीट करने का आरोप है। इस घटना में जन्मेजय गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घायल के पिता ने मंगलवार को लालगंज पुलिस को लिखित तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मंगलवार को ही चार लोगों के खिलाफ एससी–एसटी एक्ट सहित मारपीट से संबंधित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी।

इसी बीच बुधवार की भोर में इलाज के दौरान जन्मेजय की मौत हो गई। युवक की मौत की सूचना मिलने के बाद ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। ग्रामीणों ने सुबह करीब छह बजे बनकटी–अहरा मार्ग पर जाम लगाकर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग शुरू कर दी। सूचना मिलने पर अपर पुलिस अधीक्षक श्यामाकांत और स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाने–बुझाने के साथ आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया। इसके बाद करीब चार घंटे बाद जाम समाप्त कराया गया और आवागमन बहाल हो सका।

लालगंज के प्रभारी निरीक्षक दिनेश चंद्र चौधरी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुकदमा अपराध संख्या 279ध् 2026 से संबंधित तीन वांछित आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बालगोबिंद पुत्र कालीचरण, ममता पुत्री कालीचरण और इंद्रासनी पत्नी कालीचरण, निवासी थाल्हापार, थाना लालगंज के रूप में हुई है। तीनों को गुरुवार सुबह करीब 6रू30 बजे थाल्हापार से मुंडेरवा जाने वाले मार्ग पर ईचढ़वा नाले के पास से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने बताया कि मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1), 115(2), 352 और 351(3) तथा एससी–एसटी एक्ट की धारा 3(1)(द), 3(1)(ध), 3(2)(वीए) और 3(2)(वी) के तहत मुकदमा दर्ज है। आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद गिरफ्तार तीनों आरोपियों को जनपद न्यायालय, बस्ती भेज दिया गया।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक दिनेश चंद्र चौधरी, निरीक्षक राजेश विश्वकर्मा, उपनिरीक्षक राधेश्याम प्रसाद, उपनिरीक्षक रुदल बहादुर सिंह, उपनिरीक्षक अनंत मिश्रा, कांस्टेबल राजन कुमार, कांस्टेबल जुनैद अहमद, महिला कांस्टेबल अंतिमा पटेल और महिला कांस्टेबल कुमकुम यादव शामिल रहीं।

4 नवम्बर को लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पद यात्रा निकालेगी भाजपा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय, बस्ती पर आगामी 4 नवम्बर को गोरखपुर क्षेत्र में आयोजित होने वाले "लोकतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ" अभियान के अंतर्गत प्रस्तावित पदयात्रा कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर आवश्यक संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यक्रम को सफल बनाने तथा बस्ती जनपद से बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत रणनीति बनाई गई।

बैठक के मुख्य वक्ता एवं जिला प्रभारी, क्षेत्रीय महामंत्री डॉ. सत्येन्द्र सिन्हा ने कहा कि संगठन की शक्ति उसके समर्पित कार्यकर्ताओं में निहित है। आगामी 4 नवम्बर को गोरखपुर में आयोजित पदयात्रा में बस्ती से बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारी एवं मंडल अध्यक्ष अपने–अपने क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं से संपर्क कर कार्यक्रम की तैयारियों को गति दें, जिससे अभियान को व्यापक जनसमर्थन मिल सके।

भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहा कि पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की विचारधारा और जनहित के मुद्दों को लेकर सदैव सक्रिय रहता है। आगामी पदयात्रा को सफल बनाने के लिए जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों एवं मंडल प्रभारियों को आपसी समन्वय के साथ जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे निर्धारित तिथि पर अधिक से अधिक संख्या में गोरखपुर पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाएं। उल्लेखनीय है कि गोरखपुर में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होने का कार्यक्रम प्रस्तावित है।

बैठक में प्रमुख रूप से पवन कसौधन, रवि सोनकर, संजय चौधरी, सुशील सिंह, राजेश पाल चौधरी, वैभव पाण्डेय, यशकांत सिंह, राम सिंगर ओझा, अरविंद पाल, संगीता जायसवाल, अमृत कुमार वर्मा, अभिषेक कुमार, प्रेम प्रकाश चौधरी, अंकुर वर्मा, प्रत्युष विक्रम सिंह, भानु प्रकाश मिश्रा, दिलीप पाण्डेय, शिवानी सिंह, सुरेंद्र चौधरी, राकेश शर्मा, राजेन्द्र राजभर, प्रदीप निषाद, सुधाकर पाण्डेय 'नीरज', विनय सिंह भारद्वाज, नीलम गौड़, राधेश्याम कमलापुरी, रवि कुमार, विनय यादव, प्रभुदयाल वर्मा, राजेश कमलापुरी, कमेन्द्र चौहान, शिव प्रसाद चौधरी, विजय पांडे राजू, विशुद्धानंद तिवारी, प्रबल मलानी, योगेंद्र सिंह, पुष्करादित्य सिंह, अरविंद सिंह, रामायण सिंह, राकेश श्रीवास्तव, गौरव तिवारी, राजकुमार शुक्ल, आदित्य शर्मा सहित जिला मीडिया प्रभारी अजय पाल सिंह एवं बड़ी संख्या में जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी और वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 30 अक्टूबर 2026 शुक्रवार

सम्पादकीय

दवा के नाम पर ....?

देश ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों में काफी प्रगति की है, मगर आज भी यहां आम नागरिकों को किफायती और बेहतर इलाज की सुविधाएं मिल पाना किसी चुनौती से कम नहीं है। बीमार हालत में अस्पताल में भर्ती होने और जांच कराने के शुल्क के साथ दवाओं की बढ़ती कीमतें मरीजों की जेब पर भारी पड़ रही हैं। चिंता की बात यह है कि कई दवाओं की निर्माण लागत तथा उनके अधिकतम और खुदरा मूल्यों के बीच इतना ज्यादा अंतर होता है कि उनकी कीमतें मरीजों की पहुंच से ही दूर हो जाती हैं। सवाल है कि जब दवाओं के निर्माण में अपेक्षाकृत कम खर्च आता है, तो बाजार में उनका अधिकतम मूल्य कई गुना ज्यादा क्यों तय किया जाता है? सर्वोच्च न्यायालय ने इसी चिंता को रेखांकित करते हुए सरकार से पूछा कि क्या दवा निर्माताओं को इस तरह की मनमानी करने की छूट दी जा सकती है! साथ ही यह सवाल भी किया कि पूरी व्यवस्था दवा निर्माताओं की मदद करने के लिए क्यों काम कर रही है?

गौरतलब है कि किसी भी दवा के निर्माण की लागत में कच्चे माल, अनुसंधान, परीक्षण, उत्पादन, गुणवत्ता नियंत्रण, पैकेजिंग और वितरण पर होने वाला खर्च तथा मुनाफा शामिल होता है। इसलिए उसकी वास्तविक निर्माण लागत और अंतिम बिक्री मूल्य में अंतर होता है। मगर जब यह अंतर असाधारण रूप से अधिक हो जाता है, तो दवा की कीमत तय करने की प्रक्रिया पर सवाल उठना स्वाभाविक है। कुछ दवाओं के मामले में एक ही औषधीय घटक विभिन्न निर्माताओं की ओर से अलग—अलग कीमतों पर बेचा जाता है।

ऐसे में मरीजों और उनके तीमारदारों के लिए यह समझना मुश्किल हो जाता है कि महंगी दवा वास्तव में कितनी बेहतर है और उसकी अधिक कीमत के पीछे क्या कारण हैं। खासकर कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज से संबंधित दवाओं के अधिकतम और खुदरा मूल्यों में भारी अंतर की वजह से इनकी कीमतें बढ़ा दी जाती हैं। हालांकि, दवाओं की कीमतों पर नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण मौजूद है, लेकिन शीर्ष अदालत ने इसकी कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाते हुए कहा है कि यह पूरी तरह से निष्क्रिय संस्था प्रतीत होती है।

अहम सवाल यह है कि आम लोगों को सस्ते इलाज की सुविधा मुहैया कराने के दावों के अनुरूप सरकार को जो काम खुद करना चाहिए था, उसके लिए सर्वोच्च न्यायालय को निर्देश क्यों देना पड़ रहा है! यही नहीं, सरकार को इस मामले में उस वक्त अदालत की तीखी टिप्पणियों का सामना करना पड़ा, जब उसकी ओर से कहा गया कि पूरी व्यवस्था को नियंत्रित करना ठीक नहीं होगा। अदालत का यह सवाल वाजिब है कि जब दवाओं की अधिकतम और खुदरा कीमतों में चार सौ फीसद या उससे भी ज्यादा का अंतर होता है, तो इसके बीच का पैसा कहां जाता है?

जाहिर है कि आम मरीज और उनके परिजन ज्यादा मोल—भाव करने की स्थिति में नहीं होते और उन्हें दवाओं के लिए अधिक मूल्य चुकाना पड़ता है। कई बार तो महंगी दवा नहीं खरीद पाने की वजह से मरीज की जान तक चली जाती है। ऐसे में जरूरी है कि बाजार में दवाओं के मूल्य निध्ाारण के लिए संतुलित नीति और प्रभावी व्यवस्था की जाए। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए, क्योंकि स्वास्थ्य सेवा को केवल बाजार और मुनाफे के नजरिए से नहीं देखा जा सकता।

ब्राजील का जनादेश

ब्राजील में वाम विचारों के नेता लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा ने चौथी बार राष्ट्रपति पद का चुनाव जीतकर इतिहास रच दिया है। लूला डा सिल्वा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मुखर आलोचक रहे हैं। ट्रंप की इच्छा थी कि ब्राजील में लूला के मुख्य प्रतिद्वंद्वी दक्षिणपंथी फ्लेवियो बोल्सोनारो को विजय हासिल हो, पर उनके हाथ निराशा आई है। लूला को यह जीत 51.75 प्रतिशत वोटों के साथ मिली है, जबकि बोल्सोनारो को 48.25 प्रतिशत वोट मिले। जीत—हार का अंतर बहुत ज्यादा नहीं है, लेकिन तब भी यह जीत बहुत मायने रखती है। पांच सबसे बड़े लोकतंत्र में ब्राजील चौथे स्थान पर है और इन पांच देशों में वह अकेला है, जहां लोगों ने वाम विचार को तरजीह दी है। सबसे बड़े लोकतंत्र भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दक्षिणपंथ का पक्षधर माना जाता है, तो दूसरे सबसे बड़े लोकतंत्र अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप घोर वाम विरोधी हैं। तीसरे सबसे बड़े लोकतंत्र इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्राबोवो सुबियांतो और पांचवें बड़े लोकतंत्र जापान की प्रधानमंत्री सनाय ताकाइची को भी दक्षिणपंथ समर्थक माना जाता है। अतरू लूला की जीत से दुनिया में वाम विचार के लोकतंत्र समर्थकों को बहुत बल मिला है।

फिर एक बार यह साबित हुआ है कि दुनिया में हर जगह अमेरिकी मनमानी नहीं चलेगी। बहरहाल, 80 वर्षीय लूला डा सिल्वा ने पहली बार 1989 में राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें जीत के लिए 2002 तक इंतजार करना पड़ा। उसके बाद से ही वह सत्ता में रहे या विपक्ष में, हमेशा ब्राजील की राजनीति के केंद्र में रहे हैं। वह बेहतर राजनीति के दम पर अपनी वर्कर्स पार्टी के झंडे तले चुनाव जीतने में कामयाब हुए हैं। गौरतलब है कि लूला की राह में ट्रंप ने बहुत कांटे बिछाए थे। ब्राजील पर बार—बार टैरिफ की तलवार से प्रहार हो रहा था। ब्राजील का व्यापार भी अमेरिका के निशाने पर रहा है और ब्राजील की ब्रिक्स में सक्रियता भी अमेरिका को चुभती रही है। इसके बावजूद लूला अपनी विचारधारा के साथ अडिग रहे हैं। उन्होंने ट्रंप को यहां तक कह दिया था कि ब्रिक्स अमेरिका विरोधी है और दुनिया को किसी सम्राट की जरूरत नहीं है।

लूला की जीत को लोकतंत्र की जीत कहा जा सकता है। लोकतंत्र में विभिन्न विचारधाराओं को सत्ता में आने का मौका मिलता है। जनता में यह ताकत होती है कि वह बहुमत से सरकार या किसी विचारधारा को शासन के लिए चुन सके। वैसे भी सरकार चुनने की आजादी दुनिया में लगभग 45 प्रतिशत देशों में ही है और पृथ्वी के लगभग 45 फीसदी इंसानों के पास ही वोट की शक्ति है। लगभग 67 देशों में तानाशाही चल रही है और उनमें से अधिकतर देशों के साथ अमेरिका के अच्छे संबंध हैं। अफसोस की बात है कि अमेरिका दूसरे देशों में मुखर रूप से लोकतंत्र का समर्थक नहीं रहा है। लूला एक ऐसे नेता हैं, जो अमेरिका या ट्रंप की नीतियों को ठीक से समझते हैं। वह अमेरिकी वर्चस्व या एकाधिकार के विरोधी रहे हैं और अनेक देशों ने उनकी जीत का स्वागत किया है। लूला के नेतृत्व में ब्राजील भारत से मित्रता निभाता आ रहा है। तभी तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई देते हुए कहा है कि वह बहुआयामी भारत—ब्राजील रणनीतिक साझेदारी को और गहरा बनाने के लिए मिलकर काम करने को उत्सुक हैं। भारत और ब्राजील साल 2030 तक अपने द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने की ओर बढ़ रहे हैं और दोनों ही देश बहुध्रुवीय व्यवस्था के पक्षधर हैं। निस्संदेह, ब्राजील के जनादेश से विश्व राजनय में यथोचित संतुलन को संबल मिला है।

बैलेट पेपर से एमएलसी चुनाव और राजनीति

—अजय कुमार—

कांग्रेस की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि उसे चुनाव हारने से ज्यादा परेशानी अपनी हार की जिम्मेदारी स्वीकार करने में होती है। नतीजे प्रतिकूल आए नहीं कि कभी ईवीएम कठघरे में, कभी चुनाव आयोग निशाने पर और कभी मतदाता सूची पर सवाल। लेकिन जब बैलेट पेपर से हुए चुनावों में भी पार्टी को अपेक्षित सफलता नहीं मिली, तो सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर कांग्रेस की समस्या मशीन है या उसकी अपनी राजनीतिक जमीन खिसक रही है? चार राज्यों की विध्ाान परिषद की 28 सीटों के चुनाव ने इसी सवाल को कांग्रेस के सामने खड़ा कर दिया है। खासकर कर्नाटक में, जहां उसकी अपनी सरकार है, भाजपा—जद(एस) गठबंधन का चारों सीटें जीतना पार्टी के लिए महज चुनावी झटका नहीं, बल्कि राजनीतिक चेतावनी है। सत्ता हाथ में होने के बावजूद यदि पार्टी शिक्षक और स्नातक मतदाताओं का भरोसा नहीं जीत पा रही, तो उसे विपक्ष पर हमला करने से पहले अपने घर की हालत देखनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बैलेट पेपर से हुए चुनावों में कांग्रेस के प्रदर्शन पर तंज कसते हुए पूछा कि पार्टी ने आखिर कितनी सीटें जीतीं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश और प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने पलटवार करते हुए वाराणसी में भाजपा की हार और नागपुर में कांग्रेस की जीत का हवाला दिया। उनका तर्क था कि भाजपा को भी अपने राजनीतिक गढ़ों में मिली हार पर आत्ममंथन करना चाहिए। बात गलत नहीं है। भाजपा भी चुनाव हारती है तो उसे जवाबदेही से छूट नहीं मिल सकती। लेकिन कांग्रेस के नेताओं को यह समझना होगा कि दूसरे की हार गिनाने से अपनी हार का हिसाब खत्म नहीं होता। वाराणसी में भाजपा की पराजय कांग्रेस की जीत नहीं है और नागपुर का परिणाम कर्नाटक की चारों सीटों पर मिली हार का जवाब नहीं बन सकता। राजनीति में प्रतिवाद करना आसान है, अपने संगठन की नाकामी स्वीकार करना कठिन।

नागपुर में कांग्रेस उम्मीदवार अभिजीत वंजारी ने भाजपा के सुध्ााकर कोहले को 3,271 मतों से हराया। वंजारी को 67,231 वोट मिले, जबकि कोहले को 63,960 मत प्राप्त हुए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय वाले शहर में कांग्रेस की इस जीत ने भाजपा के लिए भी असहज सवाल खड़े किए। मगर कांग्रेस को एक सीट की सफलता को अपनी वापसी का प्रमाण मानने की भूल नहीं करनी चाहिए। एक निर्वाचन क्षेत्र में जीत संगठन की ताकत दिखा सकती है, लेकिन व्यापक चुनावी कमजोरी पर पर्दा नहीं डाल सकती। बिहार में भी कांग्रेस का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। उसके सहयोगी दलों को सफलता मिली, लेकिन कांग्रेस अपना प्रभाव स्थापित नहीं कर सकी। गठबंधन का हिस्सा होना और अपने दम पर मतदाताओं का भरोसा जीतना अलग—अलग बातें हैं। कांग्रेस की परेशानी यही है कि वह सहयोगियों की जीत से राजनीतिक लाभ तो चाहती है, लेकिन अपने संगठन की कमजोरियों पर उतनी गंभीरता नहीं दिखाती। कर्नाटक का नतीजा इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। यहां कांग्रेस सरकार होने के बावजूद चारों सीटें भाजपा और जनता दल (सेक्युलर) गठबंधन ने जीत लीं। आखिर ऐसा क्यों हुआ? क्या उम्मीदवारों का चयन कमजोर था? क्या स्थानीय संगठन मतदाताओं तक पहुंचने में नाकाम रहा? क्या सरकार के कामकाज को लेकर शिक्षित वर्ग में असंतोष है? इन सवालों का जवाब पार्टी को जमीनी स्तर पर तलाशना होगा। सत्ता में होने का अर्थ यह नहीं कि मतदाता हर चुनाव में सत्तारूढ़ दल के पक्ष में ही मतदान करेंगे। यदि शिक्षक और स्नातक जैसे मतदाता भी पार्टी से दूरी बनाते हैं, तो इसे विरोधियों की साजिश बताकर खारिज नहीं किया जा सकता। यह उस राजनीतिक आत्मविश्वास के लिए खतरे की घंटी है, जिसके सहारे कांग्रेस कर्नाटक में अपनी सरकार को राष्ट्रीय राजनीति में बड़ी उपलब्धि के रूप में पेश करती रही है। इन चुनावों को लोकसभा या विध्ाानसभा चुनावों के बराबर मानना भी उचित नहीं होगा। शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के मतदाताओं की संख्या सीमित होती है और स्थानीय मुद्दों का प्रभाव अधिक रहता है। फिर भी, इन नतीजों को मामूली बताकर किनारे नहीं किया जा सकता। शिक्षक अपने सामाजिक दायरे में जनमत तैयार करते हैं, जबकि स्नातक मतदाता शिक्षा, रोजगार, महंगाई और शासन जैसे सवालों पर दलों को परखते हैं। यदि कांग्रेस इन वर्गों के बीच प्रभाव खो रही है, तो उसे यह देखना चाहिए कि उसके राजनीतिक संदेश में कमी है या संगठन में। चुनाव केवल नारों से नहीं जीते जाते। मतदाता को यह भरोसा चाहिए कि उसकी समस्याओं को समझने और उनका समाधान करने की क्षमता किस दल में है। ईवीएम पर कांग्रेस की आपत्तियों को भी इसी कसौटी पर परखना चाहिए। चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाना विपक्ष का अधिकार है। जहां गड़बड़ी के ठोस प्रमाण हों, वहां जांच होनी चाहिए। लेकिन हर हार के बाद व्यवस्था को दोष देना राजनीतिक जिम्मेदारी से बचने का तरीका नहीं बनना चाहिए। अप्रैल 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने ईवीएम की विश्वसनीयता से संबंधित याचिकाओं पर फैसला सुनाते हुए बैलेट पेपर की व्यवस्था में लौटने की मांग स्वीकार नहीं की थी। इसका अर्थ यह नहीं कि चुनावी प्रक्रिया पर कभी सवाल नहीं उठाए जा सकते। इसका अर्थ यह है कि गंभीर आरोपों के लिए गंभीर प्रमाण भी चाहिए। केवल संदेह को बार—बार दोहराने से वह तथ्य नहीं बन जाता।

बैलेट पेपर से हुए चुनावों में कांग्रेस का कमजोर प्रदर्शन उसके राजनीतिक तर्कों को असहज जरूर करता है। लेकिन यह कहना भी गलत होगा कि इन नतीजों से ईवीएम पर उठाए गए हर सवाल का स्वतः खंडन हो गया। असली सबक इससे कहीं अधिक सीधा है। चुनावी सफलता किसी मशीन या मतपत्र की मोहताज नहीं होतीय वह संगठन, उम्मीदवार, स्थानीय परिस्थितियों और मतदाताओं के भरोसे पर निर्भर करती है। कांग्रेस यदि बैलेट पेपर को अपनी समस्याओं का समाधान मान रही थी, तो इन परिणामों ने बता दिया कि मतदान का तरीका बदलने भर से राजनीतिक जमीन वापस नहीं मिलती। भाजपा को भी इन नतीजों से अजेय होने का भ्रम नहीं पालना चाहिए। वाराणसी में सपा की जीत और नागपुर में कांग्रेस की सफलता बताती है कि मजबूत माने जाने वाले राजनीतिक गढ़ों में भी मुकाबला बदल सकता है। मगर कांग्रेस को यह समझना होगा कि भाजपा की कमजोरी अपने आप उसकी ताकत नहीं बन जाती। विपक्ष बनने के लिए सरकार की आलोचना पर्याप्त नहीं हैय जनता को बेहतर विकल्प भी देना पड़ता है। बेरोजगारी और महंगाई पर सवाल उठाना जरूरी है, लेकिन इनसे निपटने की ठोस नीति पेश करना उससे भी ज्यादा जरूरी है। कांग्रेस के सामने अब दो रास्ते हैं। वह हर हार के बाद नए आरोपों की ढाल तलाशती रहे या संगठन, नेतृत्व और नीतियों की कमजोरियों पर ईमानदारी से काम करे। पहला रास्ता आसान है, लेकिन राजनीतिक रूप से खोखला। दूसरा कठिन है, मगर वापसी की संभावना उसी में है। बैलेट पेपर हो या ईवीएम, मतदाता अंततः अपने अनुभव और भरोसे के आधार पर फैसला करता है। कांग्रेस को अब यह तय करना होगा कि वह चुनाव जीतने की तैयारी करेगी या हार के बाद सफाई देने की। क्योंकि जनता को बहाने नहीं, भरोसेमंद विकल्प चाहिए और भरोसा बयानबाजी से नहीं, जमीन पर किए गए काम से बनता है।

अमेरिकी मतदाताओं की ट्रंप से बढती नाराजगी

—पुष्परंजन—

लगभग 68 प्रतिशत स्वतंत्र मतदाता ट्रंप के कामकाज से और 71 प्रतिशत उनकी आर्थिक नीतियों से असंतुष्ट हैं। जेन—जी श्रेणी के युवा वर्ग और विभिन्न जातीय अल्पसंख्यकों में ट्रंप के प्रति कड़ी नाराजगी देखी गई है। अमेरिका का मध्यवर्ग पेट्रोलियम पदार्थों, गैस, भोजन और जीवन—यापन की बढ़ती लागत को लेकर ट्रंप को कोसना शुरू कर चुका है।

अमेरिकी मध्यावधि चुनाव का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। मतदान 3 नवंबर को है। ट्रंप मध्यावधि चुनाव हार भी जाते हैं, फिर भी उनकी कुर्सी आसानी से नहीं जाएगी। ट्रंप ने खुद आशंका जताई है कि यदि डेमोक्रेट्स कांग्रेस पर नियंत्रण हासिल कर लेते हैं, तो वे उन पर महाभियोग चलाने की कोशिश कर सकते हैं। यदि डेमोक्रेटिक पार्टी प्रतिनिधि सभा या सीनेट में बहुमत पा लेती है, तो ट्रंप के लिए बजट या नीतियां पास कराना बेहद मुश्किल हो जाएगा। हालांकि, उनके पास वीटो की शक्ति होगी, जिसका इस्तेमाल वे किसी भी बिल को रोकने के लिए कर सकते हैं। बहुमत खोने की स्थिति में विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ट्रंप प्रशासन की नीतियों की संसदीय जांच शुरू कर सकती है, जिससे उनकी राजनीतिक मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

आज भी ऑर्थोडॉक्स यहूदी समुदाय के लगभग 70 प्रतिशत से अधिक मतदाता डोनाल्ड ट्रंप और रिपब्लिकन पार्टी का खुलकर समर्थन करते हैं। इनका मिजाज बदलता नहीं दिख रहा। लेकिन जो बदल रहे हैं, वे हैं ब्लैक, हिस्पैनिक, यहूदी, मुस्लिम, व्हाइट वर्किंग—क्लास और इवेंजेलिकल मतदाता। 2024 में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को चुनने में इनका बड़ा योगदान था। 'स्विचर वोटर्स' का अब ट्रंप प्रशासन से मोहभंग हुआ है। ट्रंप अमूमन 'अमेरिका फर्स्ट' और 'नेशनल इंटरेस्ट' जैसे शब्द इस्तेमाल करते रहे। लेकिन जब परिवार के बजट पर दबाव पड़ता है, तो ये टोटके बकवास लगने लगते हैं।

ट्रंप यदि मध्यावधि चुनाव जीत गए, तब तो मानकर चलिए, तेहरान की खैर नहीं होगी। अगले दो वर्षों तक ट्रंप ईरान जैसे कुछ और युद्ध वाले इलाके सृजित कर लेंगे। सत्तारूढ़ रिपब्लिकन पार्टी का संसद के दोनों सदनों (प्रतिनिधि सभा और सीनेट) पर नियंत्रण बना रहेगा, जिससे ट्रंप अपने एजेंडे, टैक्स सुध्ाारों और नीतियों को आसानी से आगे बढ़ा सकेंगे। ट्रंप पर महाभियोग चलाने की संभावना काफी कम हो जाएगी। जीत गए तो वादे के अनुसार, 27 करोड़ 15 लाख अमेरिकी वयस्कों को 5,000 डॉलर का चेक देना पड़ेगा। इससे सरकारी खजाने पर अतिरिक्त बोझ पड़ना तय है।

हालिया सर्वेक्षणों पर यकीन करें तो लगभग 87 प्रतिशत डेमोक्रेटिक मतदाता ट्रंप के कामकाज और उनकी आर्थिक नीतियों से असंतुष्ट हैं। करीब 72 प्रतिशत अश्वेत मतदाता ट्रंप के कुल कामकाज को नापसंद करते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर स्वतंत्र मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा ट्रंप से निराश है। लगभग 68 प्रतिशत स्वतंत्र मतदाता ट्रंप के कामकाज से और 71 प्रतिशत उनकी आर्थिक नीतियों से असंतुष्ट हैं। जेन—जी श्रेणी के युवा वर्ग और विभिन्न जातीय अल्पसंख्यकों में ट्रंप के प्रति कड़ी नाराजगी देखी गई है। अमेरिका का मध्यवर्ग पेट्रोलियम पदार्थों, गैस, भोजन और जीवन—यापन की बढ़ती लागत को लेकर ट्रंप को कोसना शुरू कर चुका है।

एशियाई अमेरिकी और पैसिफिक आइलैंडर (एएपीआई) मतदाता अमेरिकी मतदाताओं के सबसे विविध्ा समूहों में से एक हैं। 'आपी' मतदाताओं का वर्ग सबसे तेजी से बढ़ रहा है। एएपीआई (आपी) समुदाय में लगभग 1.7 करोड़ योग्य मतदाता हैं, जिनमें से 56 प्रतिशत ने 2024 में अपना वोट डाला था। द एसोसिएटेड प्रेस—नॉर्क सेंटर फॉर पब्लिक अफेयर्स रिसर्च (एपी—नॉर्क—एएपीआई) के एक नए पोल के अनुसार, 3 नवंबर के मध्यावधि चुनावों के करीब आते—आते एशियाई अमेरिकी, मूल हवाईयन और प्रशांत द्वीपवासी रिपब्लिकन पार्टी से और अधिक निराश हो गए हैं।

एपी—नॉर्क—एएपीआई द्वारा 8 से 15 सितंबर 2026 के बीच किए गए सर्वेक्षण से पता चलता है कि ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान अर्थव्यवस्था को लेकर उनकी छवि खराब हुई है। इन वयस्कों में से लगभग एक—चौथाई लोग ही राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप के कामकाज के तरीके को पसंद करते हैं। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर उनके प्रदर्शन को केवल 10 में से 2 लोग ही सही मानते हैं, जबकि एएपीआई समूह के अधिकांश वयस्क इसे आगामी चुनाव के सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों में से एक मानते हैं। आयोवा के कॉर्निंग में रहने वाली 45 वर्षीय कोरियाई अमेरिकी रेबेका लारोको ने 2016 में ट्रंप को वोट दिया था, लेकिन अर्थव्यवस्था को संभालने के उनके तरीके को लेकर आश्वस्त नहीं हैं, खासकर ऐसे समय में जब ईरान युद्ध के कारण पेट्रोल—डीजल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं।

पिछले तीन प्रेसिडेंशियल साइकिल में लगभग 6,20,000 नए मतदाता बने, जिनमें कैलिफोर्निया, हवाई, इलिनोइस, मैसाचुसेट्स, मिनेसोटा, न्यू जर्सी, न्यूयॉर्क, नेवादा, ओरेगन, वर्जीनिया, टेक्सास और वाशिंगटन जैसे राज्यों में इनकी ताकत बढ़ी। या यूं कहें कि पांच फीसद नए आपी मतदाता नई ताकत बने। ट्रंप ने शुरू में अपने स्तर पर कुछ प्रमुख पदों पर आपी समूह के व्यक्तियों (जैसेकृतुलसी गबार्ड, काश पटेल) को नियुक्त किया था। लेकिन यह बहुत टिकाऊ साबित नहीं हुआ।

तुलसी गबार्ड ने स्वयं 22 मई, 2026 को राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के पद से इस्तीफा दिया था। उन्होंने इस्तीफे की मुख्य वजह अपने पति अब्राहम विलियम्स का बोन कैंसर से पीड़ित होना बताई थी, जिसके चलते वह अपने परिवार के साथ रहना चाहती थीं। रिपोर्टों में यह भी कहा गया था कि ईरान नीति और विदेशी मामलों पर उनके डोनाल्ड ट्रंप से मतभेद थे और उन्हें बड़े फैसलों से दरकिनार किया जा रहा था। काश पटेल अभी भी एफबीआई के निदेशक के पद पर बने हुए हैं। हालांकि, अप्रैल 2026 में उनकी कार्यशैली, शराब की लत और अनुपस्थिति को लेकर द अटलांटिक की एक रिपोर्ट के बाद उनके इस्तीफे या हटाए जाने की अटकलें जरूर तेज हुई थीं। फिर भी, काश पटेल को ट्रंप ने लो—प्रोफाइल में रखा है।

यह जगजाहिर है कि ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी के 'माई डियर फ्रेंड' वाले रिश्ते सहज नहीं रहे। 22 सितंबर 2019 को ह्यूस्टन के एनआरजी स्टेडियम में आयोजित 'हाउडी मोदी' जैसे मेगा इवेंट का इतिहास दोहराया नहीं जा सका। रूस से लगातार कच्चा तेल खरीदना भी दोनों नेताओं के बीच अनबन की एक बड़ी वजह बनी। भारत—पाकिस्तान के बीच युद्धविराम कराने की दावेदारी और एपस्टीन फाइल्स जैसे विवादित विषयों को उठाकर ट्रंप प्रधानमंत्री मोदी पर मानसिक दबाव बनाते रहे।

भारत—अमेरिका व्यापार संधि को ट्रंप प्रशासन ने अत्यधिक जटिल बना रखा है। ट्रंप प्रशासन की ओर से समय—समय पर टैरिफ दरों और शर्तों में बदलाव (जैसेकृ10 प्रतिशत, 15 प्रतिशत, 19 प्रतिशत या 25 प्रतिशत तक के जवाबी शुल्क का मुद्दा) से दोनों पक्षों के बीच भरोसा कायम करने में चुनौतियां आई हैं।

अब ट्रंप मध्यावधि चुनाव में जीतें या हारें, उससे पीएम मोदी को क्या करना है? बल्कि, ट्रंप यदि हारते हैं, तो मोदी पर उनके प्रहार की धार कम हो जाएगी। आप 2020 का मंजर याद कीजिए। ट्रंप की जीत के लिए भारत में पुजारियों और हिंदू समूहों द्वारा विशेष पूजा—अर्चना, हवन और महायज्ञ किए गए थे। सवाल है, अब ये हिंदू संगठन ट्रंप के लिए पूजा—पाठ, हवन इत्यादि क्यों नहीं करवा रहे?

कृषि माडल में बदलाव से ही समाधान

—इन्द्रजीत सिंह—

साल 1966 में हरियाणा के गठन के बाद हरित क्रांति को प्रोत्साहन मिला, जिससे कृषि उत्पादन बढ़ा। ग्रामीण आर्थिकी फली—फूली। लेकिन वक्त के साथ इस मॉडल की सीमाएं सामने आयीं। नब्बे के दशक में नयी नीति के बाद कृषि संकट और गहरा गया। आज कृषि क्षेत्र को एक वैकल्पिक विकास मॉडल की जरूरत है जो किसान व पर्यावरण हितैषी हो। वर्ष 1960 के दशक में हरित क्रांति की शुरुआत हुए छह दशक से अधिक समय बीत चुका है। इसी दौर में 1966 में हरियाणा एक अलग राज्य के रूप में अस्तित्व में आया। गठन के बाद हरियाणा में बुनियादी ढांचा विकास को प्राथमिकता दी गई व हरित क्रांति को प्रोत्साहन मिला। इसके परिणामस्वरूप कृषि उत्पादन व उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।समय के साथ हरित क्रांति के विकास मॉडल की सीमाएं उजागर होने लगीं। कृषि उत्पादन में वृद्धि की संभावनाएं सिमटने लगीं तथा कई तरह के नकारात्मक परिणाम भी सामने आए। असल में तो हरित क्रांति का उद्देश्य ही पर्याप्त भूमि सुध्ाारों के बिना कृषि क्षेत्र व फसलों का बाजारीकरण करना था। ये अलग बात है कि इससे फायदा हुआ। वर्ष 1990 के दशक में नव—उदारवादी और कॉर्पोरेट समर्थक नीतियां अपनाने के बाद कृषि संकट और गहरा गया। आज कृषि क्षेत्र को एक ऐसे वैकल्पिक विकास मॉडल की जरूरत है जो किसानों की आर्थिक स्थिति सुधारने के साथ—साथ प्राकृतिक संसाधनों और पर्यावरण की रक्षा भी कर सके।

रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अंधाधुंध इस्तेमाल से मिट्टी की उर्वरता और गुणवत्ता पर गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। भारत के मरुस्थलीकरण एवं भूमि क्षरण एटलस, 2021 के मुताबिक हरियाणा की 3.64 लाख हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि क्षरण व और मरुस्थलीकरण की समस्या से प्रभावित थी।

भूजल का तेजी से गिरता स्तर, सिंचाई की दोषपूर्ण पद्धतियां और गेहूं—धान का एकांगी फसल चक्र कृषि की स्थिरता के सामने गंभीर चुनौती बन गए हैं। इसके अतिरिक्त, गैर—कृषि उद्देश्यों के लिए भूमि अधिग्रहण के कारण खेती का क्षेत्रफल भी घट रहा है। उपजाऊ कृषि भूमि का इस तरह लगातार कम होना खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण आजीविका के लिए चिंताजनक है।

जलवायु परिवर्तन की बढ़ती चुनौती कृषि संकट को और गंभीर बना रही है। बेमौसम बारिश, अत्यध्िाक गर्मी और अन्य चरम मौसमी घटनाओं से फसलों को बार—बार नुकसान हो रहा है। ऐसी परिस्थितियों में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की किसानों को राहत देने में प्रभावशीलता पर भी सवाल उठे हैं।

इसके अलावा न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि खेती की बढ़ती लागत के अनुरूप नहीं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अर्थशास्त्र विभाग के हालिया अध्ययनों में किसानों को होने वाले नुकसान की गंभीर तस्वीर सामने आई है। खरीफ फसलों की वर्कशाप में जानकारी दी गई कि धान की पीआर किस्म की खेती में किसान का प्रति एकड़ घाटा करनाल में 4285 रुपये आंका गया। बीटी कपास में किसान को प्रति एकड़ औसत घाटा 15,143 रुपये था, जबकि मक्का की खेती में 1229 रुपये प्रति एकड़ रहा। कपास जैसी महत्वपूर्ण फसल की काश्त की स्थिति तो और भी तेजी से गिरावट पर है। वर्ष 2025—26 में ही कपास के रकबे में 2.82 लाख हेक्टेयर की गिरावट दर्ज की गई। पिछले सात वर्षों में कपास की खेती के क्षेत्रफल में 65 प्रतिशत की कमी आई है। इसका एक प्रमुख कारण बी टी कपास पर गुलाबी सूंडी के प्रकोप से फसल बर्बादी है।

बहरहाल, ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी, कुपोषण, भूमिहीनता, कर्ज और बेरोजगारी की समस्याएं बढ़ी हैं। खाद की कमी, मंडी में फसल बेचने की दिक्कतें और खरीद संबंधी बाध्ााएं अब किसानों के विरोध—प्रदर्शनों के प्रमुख मुद्दे हैं।

भाजपा की जीत नहीं, डकैती है –योगेश सिंह

संवाददाता–गोण्डा। विधान परिषद की 11 सीटों के चुनाव परिणाम को लेकर गोंडा में समाजवादी पार्टी के पूर्व मंत्री योगेश प्रताप सिंह ने भाजपा पर धांधली का आरोप लगाया है। पूर्व मंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा और मुख्यमंत्री ने विधान परिषद चुनाव को अपनी प्रतिष्ठा का सवाल बना लिया था। चुनाव में धांधली करने के लिए अधिकारियों को लगाया गया। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी, पुलिस कप्तान और शिक्षा विभाग के अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई। जिला विद्यालय निरीक्षक और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों के जरिए विद्यालयों के प्रबंधकों और शिक्षकों को नोटिस जारी किए गए। योगेश प्रताप सिंह के मुताबिक, इन मामलों की शिकायत बार–बार चुनाव आयोग से की गई, लेकिन आयोग ने संज्ञान नहीं लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदान के दौरान तमाम सख्ती और कथित अनियमितताओं के बाद जब भाजपा को जीत की संभावना कम दिखी तो मतगणना में धांधली की गई।

पूर्व मंत्री ने फैजाबाद–गोरखपुर खंड के परिणाम पर सवाल उठाते हुए कहा कि भाजपा इस चुनाव में हार चुकी थी, लेकिन बाद में बचे हुए करीब 2,200 वोटों को उठाकर परिणाम बदल दिया गया। उन्होंने दावा किया कि इसी तरह मुश्किल से 400 से कुछ अधिक वोटों के अंतर से देवेंद्र प्रताप त्रिपाठी को विजयी घोषित किया गया। उन्होंने कहा, वो जीत नहीं है, वो डकैती है। योगेश प्रताप सिंह ने आरोप लगाया कि अन्य स्थानों पर भी इसी तरह का खेल किया गया, जिससे चुनाव परिणाम प्रभावित हुए।

पूर्व मंत्री ने कहा कि चुनाव के अब तक सामने आए रुझानों और परिणामों के अनुसार भाजपा 11 में से 6 सीटें जीतने की स्थिति में थी, जबकि समाजवादी पार्टी 5 सीटों पर जीत की स्थिति में थी। उन्होंने दावा किया कि यदि चुनाव में कथित धांधली नहीं हुई होती तो सपा 8 सीटें जीतती और भाजपा को केवल 3 सीटें मिलतीं। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि चुनाव में हुई कथित अनियमितताओं पर आयोग ने कार्रवाई नहीं की। उनके अनुसार, आयोग की निष्क्रियता के कारण ही परिणाम इस तरह सामने आए। योगेश प्रताप सिंह ने चुनाव परिणामों को भाजपा की अंदरूनी गुटबाजी से भी जोड़कर देखा। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के क्षेत्र वाराणसी में भाजपा चुनाव हार गई, जबकि मुख्यमंत्री के क्षेत्र गोरखपुर में भाजपा जीत गई। उन्होंने आरोप लगाया कि गोरखपुर में जिस तरह की कथित धांधली हुई, वैसी वाराणसी में भी कराई जा सकती थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। पूर्व मंत्री ने इसे प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के बीच अंदरूनी खींचतान का संकेत बताते हुए कहा कि वाराणसी में भाजपा की हार से पार्टी के सामने सफाई देने की स्थिति पैदा हो गई है। हालांकि, चुनाव में धांधली और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के बीच गुटबाजी को लेकर लगाए गए ये आरोप पूर्व मंत्री योगेश प्रताप सिंह के दावे हैं। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

भारत–नेपाल सीमा पर युवक गिरफ्तार, स्मैक बरामद

संवाददाता–बहराइच। रुपईडीहा पुलिस और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की संयुक्त टीम ने भारत–नेपाल सीमा पर एक युवक को गिरफ्तार किया। उसके पास से कपड़े में छिपाकर रखी 10 लाख रुपए कीमत की स्मैक मिली।

पुलिस के अनुसार, पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देश पर मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। गुरुवार, 29 अक्टूबर को प्रभारी निरीक्षक हरेंद्र कुमार मिश्र के नेतृत्व में पुलिस और एसएसबी की टीम इलाके में जांच कर रही थी। करीब 11 बजे पिलर संख्या 651¢2 से नेपालगंज रोड रेलवे स्टेशन जाने वाले रास्ते पर टीम ने एक युवक को रोककर तलाशी ली। उसके पास से स्मैक मिली।

गिरफ्तार युवक की पहचान चांद बाबू उर्फ चंदू कुरैशी (19) के रूप में हुई। वह मुस्तफा कुरैशी का बेटा और चिकवन मोहल्ला, मुनीरगंज कस्बा, थाना रुपईडीहा, जिला बहराइच का रहने वाला है।

पुलिस ने उसके खिलाफ रुपईडीहा थाने में मुकदमा अपराध संख्या 298/2026 दर्ज किया है। उस पर एनडीपीएस एक्ट की धारा 8¢21 के तहत केस दर्ज किया गया। जरूरी कानूनी कार्रवाई के बाद उसे दोपहर एक बजे बहराइच न्यायालय भेज दिया गया।

यह कार्रवाई अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तिवारी और क्षेत्राधिकारी नानपारा चित्रांशु गौतम की निगरानी में हुई। संयुक्त टीम में रुपईडीहा पुलिस के उपनिरीक्षक प्रदीप पांडेय समेत अन्य पुलिसकर्मी और एसएसबी के जवान शामिल थे।

झगड़े में खौलता तेल फेंका, मां–बेटी झुलसीं

संवाददाता–महराजगंज। श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र के कोटवा पिपरिया गांव में गुरुवार को देवरानी और जेठानी के बीच विवाद के दौरान खौलता तेल फेंकने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, गांव में देवरानी और जेठानी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और इसी दौरान कड़ाही में खौलता तेल फेंक दिया गया। इसकी चपेट में आने से साजिदा और उनकी बेटी फातिमा झुलस गईं। घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। परिजनों और स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है। दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना को लेकर गांव में चर्चा है। विवाद किस बात को लेकर शुरू हुआ और खौलता तेल किसने फेंका, इसकी स्थिति अभी स्पष्ट नहीं है। मामले में पुलिस की कार्रवाई और जांच से जुड़ी विस्तृत जानकारी सामने आने के बाद ही पूरे घटनाक्रम का पता चल सकेगा।

जमीन विवाद में युवक का कान काटा

संवाददाता–कुशीनगर। भलुही गांव में जमीन विवाद के दौरान मारपीट हुई। मुकेश शर्मा का कान दांत से काटने का आरोप नथुनी शर्मा की बेटी प्रियंका शर्मा पर लगा है। तुर्कपट्टी थाना क्षेत्र के भलुही गांव, पोस्ट फाजिलनगर में यह घटना हुई। मुकेश शर्मा, स्वर्गीय सुदर्शन शर्मा के बेटे हैं। आरोप है कि उनके कान का आधा हिस्सा काटकर अलग कर दिया गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक, जमीन को लेकर दोनों पक्षों में पहले कहासुनी हुई। इसके बाद विवाद बढ़ा और मारपीट हुई।

सत्यनिष्ठा से समृद्धि पर विमर्शः नैतिक मूल्यों को बढावा देने पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

रूधौली (बस्ती)। गुरूवार को राजकीय महाविद्यालय, रूधौली, बस्ती में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अन्तर्गत सरकारी संगठनों, कर्मचारियों और आम जनता को भ्रष्टाचार से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक करने, ईमानदारी और पारदर्शिता बढाने और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से डा0 राजेश कुमार शर्मा, प्रोफेसर–इतिहास विभाग की अध्यक्षता में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मॉ सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन और पुष्पार्पण के साथ हुआ। ऑचल और प्रतिभा ने सरस्वती वन्दना प्रस्तुत किया। सर्वप्रथम कार्यक्रम में बी0ए0 द्वितीय वर्ष की छात्रा अलका भारती ने भ्रष्टाचार और उससे होने वाली आम जनता की परेशानियों पर अपने विचार अभिव्यक्त किये। बी0ए0 तृतीय वर्ष की छात्रा अर्चना ने जीवन में नैतिक मूल्यों और इमानदारी की महत्ता पर प्रकाश डाला। महाविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री जगदीश प्रसाद ने सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार के कारणों और उसके दुष्प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की और विद्यार्थियों से ईमानदारी और नैतिकता का पालन करने की नसीहत दी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डा0 राजेश कुमार शर्मा ने अपने सम्बोधन में कहा कि सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 जो 26 अक्टूबर से 1 नवम्बर तक मनाया जाना है उसकी थीम है– "सत्यनिष्ठा से समृद्धि। केंद्रीय सतर्कता आयोग के तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस सप्ताह का मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देना है। यह केवल एक सप्ताह का आयोजन नहीं है, बल्कि देश के हर नागरिक को भ्रष्टाचार के

खिलाफ एकजुट होने और अपनी जिम्मेदारियों के प्रति सजग रहने का एक सशक्त संदेश है।

कार्यक्रम की थीम का विषय स्पष्ट करता है कि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक आर्थिक और सामाजिक प्रगति तभी संभव है, जब उस देश की संस्कृति में सत्यनिष्ठा रची–बसी हो। भ्रष्टाचार विकास की जड़ों को खोखला करता है, जबकि ईमानदारी राष्ट्र को समृद्धि की ओर ले जाती है। सतर्कता जागरूकता सप्ताह हमें याद दिलाता है कि भ्रष्टाचार मुक्त समाज का निर्माण केवल सरकार या कानून की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें हर नागरिक की भागीदारी अनिवार्य है। जब देश का प्रत्येक व्यक्ति "भ्रष्टाचार को ना" कहने का संकल्प लेगा, तभी भारत एक विकसित, आत्मनिर्भर और समृद्ध राष्ट्र बन पाएगा। आइए, हम सब मिलकर सत्यनिष्ठा और ईमानदारी का मार्ग अपनाएं और राष्ट्र निर्माण में अपना बहुमूल्य योगदान दें।

कार्यक्रम में अन्य अनेक छात्र–छात्राओं ने इस विषय पर अपने–अपने विचार साझा किये। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के डा0 देवानंद, वरिष्ठ लिपिक विकास कुमार, मनीष कुमार, महेन्द्र सिंह यादव, श्री मोहित कुमार व समस्त छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहे।

एसपी ने व्यापारियों को बाजारों की सुरक्षा के निर्देश दिए, धनतेरस–दीपावली से पहले की बैठक

संवाददाता–महराजगंज। धनतेरस और दीपावली से पहले पुलिस अधीक्षक शक्ति मोहन अवस्थी ने व्यापार मंडल के पदाधिकारियों, प्रमुख व्यापारियों और स्वर्ण व्यवसायियों के साथ बैठक की। उन्होंने बाजारों की सुरक्षा और पुलिस–व्यापारियों के बीच तालमेल बनाए रखने के निर्देश दिए। एसपी ने व्यापारियों से प्रतिष्ठानों में सुरक्षा के इंतजाम करने और सीसीटीवी कैमरे चालू रखने को कहा। उन्होंने बताया कि त्योहारों के दौरान बाजारों में भीड़ और ग्राहकों की आवाजाही बढ़ती है। व्यापारियों से संदिग्ध लोगों और गतिविधियों पर नजर रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि अगर किसी व्यापारी या स्वर्ण व्यवसायी को ज्यादा नकदी या कीमती सामान एक जगह से दूसरी जगह ले जाना हो, तो पुलिस सुरक्षा के लिए संबंधित थाने से संपर्क कर सकता है। एसपी ने संदिग्ध गतिविधि या किसी अप्रिय घटना की जानकारी तुरंत पुलिस को देने को कहा, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। उन्होंने सुरक्षा से जुड़ी समस्याएं पुलिस को बताने की अपील भी की।

उन्होंने कहा कि पुलिस और व्यापारियों के सहयोग से त्योहारों के दौरान सुरक्षित माहौल बनाया जा सकता है, ताकि लोग बिना डर खरीदारी कर सकें। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ, क्षेत्राधिकारी अंकुर गौतम, यातायात अरुणेंद्र प्रताप सिंह, गुड्डू प्रभाकर और व्यापार मंडल के पदाधिकारी मौजूद रहे। इनके अलावा पशुपतिनाथ गुप्ता, राजेश्वर वर्मा, दामोदर गोयल, बागेश्वर सिंह, सिकंदर रौनियार, श्रवण वर्मा, अजय राज, जयप्रकाश मद्धेशिया, फूलचंद, प्रमोद जायसवाल, सभासद सदर आलम, व्यापारी और स्वर्ण व्यवसायी भी शामिल हुए।

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा की नई कार्यसमिति घोषित, 38 पदाधिकारियों को जिम्मेदारी

संवाददाता–गोण्डा। भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष प्रिंस चौरसिया ने संगठन को मजबूत करने के लिए नई जिला कार्यसमिति की घोषणा की है। घोषित सूची के अनुसार, बेचूलाल कश्यप, हवलदार सोनी, घनश्याम जायसवाल, अवधेश सबिता, लालमणि जायसवाल, रवि सोनी, बाबूराम यादव और सूरज देवराज को जिला उपाध्यक्ष बनाया गया है। पूर्व ब्लॉक प्रमुख बाबूराम यादव को केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री और गोंडा के भाजपा सांसद कीर्तिवर्धन सिंह का करीबी बताया जाता है।

दिनेश प्रजापति, राजकुमार वर्मा और मदन मोहन गोस्वामी को जिला महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, एसके राजभर, राज प्रसाद मौर्या, डॉ. संजय भोजवाल, दिवाकर मौर्या, वीरेंद्र प्रताप सैनी, राजकुमार मौर्या, रितेश सोनी और शिवनाथ गुप्ता को जिला मंत्री बनाया गया है।

मनोज विश्वकर्मा को जिला कोषाध्यक्ष और सिद्धनाथ निषाद को सह कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। संजू गुप्ता को जिला मीडिया संयोजक और राजीव गोस्वामी को सह मीडिया संयोजक बनाया गया है। इसी तरह,

कीर्तिवर्धन गोस्वामी को सोशल मीडिया संयोजक, शुभम चौरसिया को सह सोशल मीडिया संयोजक, मनोज सोनी को आईटी संयोजक और अंशू वर्मा को सह आईटी संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कार्यसमिति सदस्य के रूप में आशीष गुप्ता, राजेंद्र सिंह कसेरा, गौरीशंकर चौरसिया, रामनिवास वर्मा, सुरेंद्र कुमार चौरसिया, सुरेश प्रजापति, राकेश कुमार गुप्ता, सीमा सोनी, विद्यावती और शशिकांत गिरि को मनोनीत किया गया है। कार्यसमिति की घोषणा के बाद पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त सदस्यों को बधाई दी।

पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष प्रिंस चौरसिया ने बताया कि 13 अक्टूबर को उन्हें दोबारा जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली थी। इसके बाद उन्होंने जिला कार्यसमिति की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि आगामी 2027 विधानसभा चुनाव को देखते हुए संगठन को मजबूत करने का काम शुरू कर दिया गया है। मोर्चे के पदाधिकारी गांव–गांव जाकर संगठन की गतिविधियों को आगे बढ़ा रहे हैं। उनके मुताबिक, पदाधिकारियों को जिम्मेदारी देने में विचार–विमर्श किया गया है।

अराजकता हटाओ, लोकतंत्र बचाओ' अभियान की तैयारी, देवरिया में एसआईआर और मतदाता सूची की सटीकता को लेकर जागरूकता

संवाददाता–देवरिया। भाजपा ने 'अराजकता हटाओ, लोकतंत्र बचाओ' कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर गुरुवार को दोपहर 3 बजे जिला भाजपा कार्यालय औरा–चौरी में बैठक की। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष काली प्रसाद ने की। बैठक में जिला प्रभारी देवेंद्र यादव, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एवं जिला प्रवासी जय प्रकाश शाही और देवरिया सदर विधायक डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी मौजूद रहे। इस दौरान संगठन की तैयारियों, कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय और अभियान को लोगों तक पहुंचाने की रणनीति पर चर्चा हुई।

देवेंद्र यादव और जय प्रकाश शाही ने तैयारियों को लेकर दिशा–निर्देश दिए। जिलाध्यक्ष काली प्रसाद ने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की। विधायक डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी ने भी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से सक्रिय भूमिका

निभाने को कहा। जय प्रकाश शाही ने बताया कि अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), मतदाता सूची की सटीकता और संवैधानिक प्रक्रियाओं के प्रति लोगों को जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि अभियान दो चरणों में चलाया जाएगा। पहले चरण में देशभर में पदयात्राओं, संवाद कार्यक्रमों और प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से लोगों तक अभियान का संदेश पहुंचाया जाएगा। बैठक में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने अभियान के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम करने का संकल्प लिया।

इस दौरान कृष्णनाथ राय, अजय कुमार दूबे, जितेंद्र सिंह, अशोक पांडेय, राघवेंद्र वीर विक्रम सिंह, नागेशपति त्रिपाठी, अजीत सिंह, डॉ. विनय राव, माया विश्वकर्मा, त्रिलोकी नाथ त्रिपाठी, नीरज शाही, मार्कण्डेय गिरी, प्रभाकर तिवारी, राहुल कुमार, सरिता पासवान, विनोद कुमार, सिद्धिविनायक गोंड, दीपक जायसवाल, सत्यप्रकाश पांडेय, उमापति सिंह, दीवाकर चंद यादव और शुभम मणि त्रिपाठी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

प्रशांत किशोर ने देवपालिक गुप्ता को दी श्रद्धांजलि

संवाददाता–कुशीनगर। जनसुराज पार्टी के डिजिटल कम्युनिकेशन मैनेजर देवपालिक गुप्ता का गुरुवार सुबह कुशीनगर में अंतिम संस्कार किया गया। दो दिन पहले रांची के पास ट्रेन से गिरने से उनकी मौत हुई थी। अंतिम संस्कार पैतृक गांव गोड़रिया के पास मलाही घाट पर हुआ। जनसुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर भी अंतिम संस्कार में शामिल हुए। वे सुबह 7 बजे पार्टी के वरिष्ठ साथियों के साथ देवपालिक के गोड़रिया स्थित घर पहुंचे। अंतिम संस्कार से लौटते समय प्रशांत किशोर ने कहा– कि देवपालिक मेरे साथ पिछले चार सालों से काम कर रहे थे। एक दुर्घटना में उनकी दुखद मौत हो गई, उनके अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए मैं आया था।

जानकारी के मुताबिक, देवपालिक सोमवार को दो दोस्तों के साथ जनशताब्दी एक्सप्रेस (12366) से रांची से पटना जा रहे थे। बताया जा रहा है कि ट्रेन में पैंट्री से खाना लेने की बात कहकर वह अपनी बर्थ से निकले थे। काफी देर तक वापस नहीं लौटे तो दोस्तों ने उनके मोबाइल पर कॉल किया। फोन बंद मिला। इसके बाद दोस्तों ने अगले स्टेशन मुरी पर उतरकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने उनकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान मुरी क्षेत्र के घने जंगल में रेलवे ट्रैक किनारे उनका शव बरामद हुआ। देवपालिक ट्रेन से कैसे लापता हुए और किन परिस्थितियों में उनकी मौत हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि उन्हें आखिरी बार ट्रेन में कहां और किस स्थिति में देखा गया था।

देवपलिक के भाई तारकेश्वर ने कहा– फॉरेंसिक टीम ने बताया कि बॉडी जिस स्थिति में मिली वो गिरने जैसा नहीं लग रहा था। ऐसा लग रहा जैसे हत्या करके बॉडी को बाहर फेक दिया गया है। प्रशांत किशोर जी ने हमें रांची में मदद की है। उनके कई बड़े अधिकारी पूरे समय संपर्क में रहे। मेरे भाई ने पिछली 30 अगस्त हो ही स्तीफा दे दिया था। वह 24 तारीख तक नोटिस पीरियड पर था। वह कुछ दिन बैठने के बाद बिहार छोड़कर यूपी में काम करना चाहता था। उसका स्तीफा मंजूर कर लिया गया था। कार्रवाई के लिए रांची के सभी अधिकारी संपर्क में हैं। हमारी रात में बात हुई थी उन्होंने बताया कि सीबीआई जांच के लिए सीएम ऑफिस में बात हुई है। जैसे ही कोई कार्रवाई होती है आपको बताया जाएगा।

देवपालिक कुशीनगर जिले के विशुनपुरा थाना क्षेत्र के गोडरिया गांव के निवासी थे। उन्होंने दिल्ली में मास कम्युनिकेशन की पढ़ाई की थी। इसके बाद वह जयपुर में दैनिक भास्कर से जुड़े थे। इसके बाद उन्होंने जनसुराज पार्टी में डिजिटल कम्युनिकेशन मैनेजर के तौर पर काम शुरू किया। देवपालिक अपने पिता बाबूलाल गुप्ता के तीसरे और सबसे छोटे बेटे थे। कम उम्र में उनकी मौत की खबर से परिवार के साथ क्षेत्र में भी शोक का माहौल है। जनसुराज पार्टी के लापता डिजिटल कम्युनिकेशन मैनेजर देवपालिक गुप्ता का शव मिला है। 31 साल के देवपालिक उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले के रहने वाले थे। सोमवार को रांची से पटना आने के लिए जनशताब्दी एक्सप्रेस (12366) में सवार हुए थे।

इसी दौरान मुरी जंक्शन से पहले अचानक लापता हो गए थे। देवपालिक गुप्ता का शव अनगड़ा थाना क्षेत्र स्थित जरवाडीह के पास रांची–मुरी रेल मार्ग के डाउन लाइन के बगल के झाड़ी में मिला है। इसमें अनगड़ा थाना की पुलिस और जीआरपी संयुक्त रूप से जांच कर रही है। सिर और चेहरे पर खरोंच के निशान मिले हैं। चलती ट्रेन से गिरने से मौत की आशंका जाहिर की जा रही है।

रेल परियोजना का काम धीमा,पंकज मिश्रा ने उठाए सवाल

संवाददाता–श्रावस्ती। रेल नेटवर्क से जोड़ने की मांग कर रही 'श्रावस्ती को रेल से जोड़ो संघर्ष समिति' के संचालक समाजसेवी पंकज देव मिश्रा ने खलीलाबाद–बहराइच रेल लाइन के काम में देरी पर सवाल उठाए हैं। बृहस्पतिवार दोपहर 1:00 बजे उन्होंने कहा कि 4,940 करोड़ रुपए की परियोजना के लिए बजट मंजूर होने के बावजूद काम की रफ्तार धीमी है। उनके मुताबिक, श्रावस्ती में करीब 90 प्रतिशत भूमि अधिग्रहण हो चुका है, फिर भी निर्माण आगे नहीं बढ़ रहा। पंकज देव मिश्रा ने बताया कि 2014 में भिनगा में बैठक के बाद प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन भेजा गया था। 27 जनवरी 2014 को समर्थकों के साथ दिल्ली के जंतर–मंतर पर धरना–प्रदर्शन किया गया।

2023 में फिर धरना दिया गया और 24 दिसंबर 2025 को करीब 200 लोगों के साथ रेल लाइन की मांग भी फिर उठाई गई। उनका कहना है कि इन प्रयासों के बाद परियोजना के काम में तेजी आई, लेकिन कई जगह काम की स्थिति अब भी संतोषजनक नहीं है। वहीं पंकज मिश्रा के मुताबिक, खलीलाबाद से बहराइच तक 240 किलोमीटर लंबी रेल लाइन परियोजना को 2018 में मंजूरी मिली थी। इसका शिलान्यास 2 मार्च 2019 को हुआ था। उस समय परियोजना को 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था। श्रावस्ती को रेल से जोड़ो संघर्ष समिति के मुताबिक रेल मंत्रालय की चरणवार समयसीमा के मुताबिक, खलीलाबाद–बांसी खंड को दिसंबर 2025, बांसी श्रावस्ती खंड को मार्च 2026 और श्रावस्ती बहराइच खंड को मार्च 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य था।

पंकज मिश्रा ने सवाल किया कि परियोजना पर अब तक करीब 1,500 करोड़ रुपए खर्च होने की जानकारी के बावजूद शेष भूमि अधिग्रहण पूरा करने और अब तक अधिग्रहीत जमीन पर निर्माण शुरू करने में देरी क्यों हो रही है।

उन्होंने कथित तौर पर आरोप लगाया कि श्रावस्तीकी रेल परियोजना को जानबूझकर लटकाया जा रहा है। पंकज मिश्रा ने भूमि अधिग्रहण और निर्माण कार्य में तेजी लाकर श्रावस्ती को जल्द रेल नेटवर्क से जोड़ने की मांग की।

आमरण अनशन पर बैठे अवधेश की हालत बिगड़ी

संवाददाता–गोण्डा। आजादी के बाद से विशुनपुर तिवारी से पांचू पुरवा होते हुए मकदूमपुरवा तक जाने वाली करीब 3.5 किमी जर्जर सड़क के निर्माण के लिए अवधेश तिवारी बजरंगी अपने समर्थकों के साथ गुरुवार को भी अनशन पर बैठे रहे। प्रदर्शन के तीसरे दिन गुरुवार को उनकी भूख हड़ताल जारी है। सुबह करीब 11 बजे अवधेश तिवारी बजरंगी की हालत बिगड़ गई और समर्थकों में रोष व्याप्त हो गया। उधर, नायब तहसीलदार जयशंकर सिंह, थानाध्यक्ष गौरव सिंह तोमर ने अवधेश तिवारी बजरंगी से अनशन खत्म करने की अपील की। काफी देर तक चर्चा होने के बाद नायब तहसीलदार बैरंग वापस लौट गए। अनशन पर बैठे समर्थकों ने जिला प्रशासन और पीडब्लूडी विभाग के अड़ियल रवैया को लेकर खूब नारेबाजी भी की। भूख हड़ताल पर बैठे अवधेश तिवारी बजरंगी के हालत बिगड़ने पर भी स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर नहीं पहुंची। ग्रामीणों ने बताया आम दिनों में इस खस्ताहाल सड़क में चलने के काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। बरसात के दिनों में मार्ग की स्थिति इतनी खराब हो जाती है कि अगर किसी परिवार को स्वास्थ्य संबधी आकस्मिक सेवा की जरूरत हो तो गांव तक एम्बुलेंस नहीं पहुंच सकती। गांव के आसपास के सैकड़ों छात्र–छात्राएं इसी खस्ताहाल मार्ग से विद्यालय आते–जाते है। अवधेश तिवारी बजरंगी ने बताया जब तक सक्षम अधिकारी द्वारा लिखित आश्वासन सड़क निर्माण के लिए नहीं दिया जाता तब तक यह भूख खड़ताल चलती रहेगी। भूख हड़ताल के समर्थन में आसपास के कई ग्राम पंचायतों के प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य सहित काफी संख्या में सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

दो अधिवक्ताओं पर हमले के बाद बार ने आंदोलन तेज किया

संवाददाता–बहराइच। दो अधिवक्ताओं पर हुए कथित हमलों के विरोध में बार एसोसिएशन ने आंदोलन तेज करने का ऐलान किया है। गुरुवार दोपहर 2 बजे हुई बैठक में पदाधिकारियों ने पुलिस पर लापरवाही बरतने और आरोपियों की गिरफ्तारी में देरी करने का आरोप लगाया। बार ने चेतावनी दी जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राजेश शुक्ला ने बताया कि पहली घटना 17 अक्टूबर की शाम करीब 7रू30 बजे हुई थी। आरोप है कि तीन हमलावर कोतवाली देहात से करीब 50 मीटर दूर वसंत विहार कॉलोनी स्थित बार के पूर्व उपाध्यक्ष बाबूराम तिवारी के घर में घुस आए और उन पर चाकू से हमला किया। शोर सुनकर पहुंचे मोहल्ले के लोगों ने अक्षय नाम के एक आरोपी को पकड़ लिया। दूसरा आरोपी रवि फरार हो गया, जबकि तीसरे की पहचान नहीं हो सकी। मामले में कोतवाली देहात में मुकदमा दर्ज कराया गया है। बार पदाधिकारियों के मुताबिक, फरार आरोपियों की गिरफ्तारी अब तक नहीं हुई है दूसरी घटना 23 अक्टूबर की बताई गई है। आरोप है कि मनीष नाम के युवक ने अधिवक्ता अखिलेश त्रिपाठी को फॉर्च्यूनर गाड़ी से कुचलने की कोशिश की। इस दौरान उनका हेलमेट टूट गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस मामले में धारा 109 और 352 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। बार एसोसिएशन का कहना है कि इस मामले में भी अब तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। बार एसोसिएशन के ऐलान के मुताबिक, आंदोलन के दूसरे चरण में शुक्रवार सुबह 11 बजे से धरना दिया जाएगा। इसके बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर शनिवार से तीसरे चरण में अधिवक्ता सामूहिक रूप से गिरफ्तारी देने के लिए पेश होंगे। बार के अनुसार, अधिवक्ता जेल में रहकर 'रघुपति राघव राजा राम' भजन करेंगे। एसोसिएशन ने स्पष्ट किया कि सभी आरोपियों की गिरफ्तारी होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

गुजरौलिया हत्याकांड का आरोपी 24 घंटे में गिरफ्तार, हत्या में इस्तेमाल लोहे की रॉड बरामद

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। मोहाना थाना क्षेत्र के गुजरौलिया टोला बेलौहा में युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने एक आरोपित को घटना के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त लोहे की रॉड बरामद करने का दावा किया है।

आरोपित को बृहस्पतिवार को न्यायालय भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, 28 अक्तूबर को गुजरौलिया टोला बेलौहा में एक युवक के सिर पर लोहे की रॉड से प्रहार कर हत्या कर दी गई थी। मामले में तहरीर के आधार पर मोहाना थाने में मुकदमा संख्या 154/2026 के तहत बीएनएस की धारा 103(1), 352 और 351(3) में केस दर्ज किया गया था। एसएसपी डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश, एएसपी प्रशांत कुमार प्रसाद के निर्देशन और सीओ सदर विश्वजीत सौरयान के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष जितेंद्र सिंह की टीम ने बृहस्पतिवार को मोहाना पुल से अभिलाष उपाध्याय उर्फ डब्लू (24) निवासी गुजरौलिया टोला बेलौहा को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, आरोपित के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 60(1) के तहत भी मोहाना थाने में मुकदमा संख्या 152/2026 दर्ज है।

जिला जेल से फरार कैदी शेरू नौ महीने बाद गिरफ्तार

संवाददाता–अयोध्या। जिला जेल से फरार हुए कैदी शेरू को यूपी एसटीएफ ने करीब नौ माह बाद दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद उसे ट्रांजिट रिमांड पर अयोध्या लाया गया और जिला जेल में दाखिल करा दिया गया। वहीं, उसके साथ फरार हुए दूसरे कैदी गोलू अग्रहरि की तलाश जारी है। सुल्तानपुर जिले का निवासी शेर अली उर्फ शेरू हत्या के प्रयास के मामले में जेल में निरुद्ध था। वह 28 जनवरी 2026 की रात अमेठी निवासी गोलू अग्रहरि के साथ जिला जेल की विशेष सुरक्षा बैरक से फरार हो गया था। दोनों बंदियों के फरार होने की जानकारी अगले दिन सुबह नियमित गिनती के दौरान हुई। घटना के बाद से ही दोनों की तलाश की जा रही थी। अब यूपी एसटीएफ ने कार्रवाई करते हुए शेरू को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया था कि दोनों बंदियों ने अपनी कोठरी की पिछली दीवार में लगे जंगले के आसपास से ईंटें निकालकर रास्ता बनाया था। इसके बाद कपड़ों और कंबलों को जोड़कर रस्सी तैयार की और जेल की ऊंची चारदीवारी पार कर फरार हो गए। जांच में यह भी सामने आया कि जेल की बाहरी दीवार की निगरानी करने वाले चार सीसीटीवी कैमरे घटना के दौरान करीब 16 घंटे तक बंद थे। इस चूक को जेल की सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर लापरवाही माना गया। घटना के बाद जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे थे। मामले की जांच के आधार पर जेल अधीक्षक, जेलर, डिप्टी जेलर और अन्य कर्मचारियों के खिलाफ निलंबन समेत विभागीय कार्रवाई की गई। बाद की रिपोर्टों में कार्रवाई के दायरे में कुल 15 अधिकारियों और कर्मचारियों के आने का उल्लेख किया गया।

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 84/2022
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) एफ0टी0सी0 स्थान– सिद्धार्थनगर जिला– सिद्धार्थनगर

रहमतुल्लाह
बनाम
सलीम आदि

1– सलीम उम्र लगभग 40 वर्ष 2– सैफुल्लाह उम्र लगभग 35 वर्ष 3– अब्दुल्लाह उम्र लगभग 32वर्ष पुत्रगण– अब्बास अली 4– शाह मोहम्मद उम्र लगभग 65 वर्ष 5– असगर अली उम्र लगभग 50 वर्ष पुत्रगण रफीक 6– मसदुल हसन उम्र लगभग 35 वर्ष 7– मसरूल हसन उम्र लगभग 30 वर्ष 8– महफुजुल हसन उम्र लगभग 25 वर्ष पुत्रगण– महमुदुल 9– मो० इब्राहिम उम्र लगभग 70 वर्ष 10–मो० सईद उम्र लगभग 60 वर्ष पुत्रगगण मनसबदार 11–अब्दुल कादिर उम्र लगभग 40 वर्ष 12–अब्दुल कलाम उम्र लगभग 35 वर्ष 13–अब्दुल लतीफ उम्र लगभग 32 वर्ष पुत्रगण शफी मोहम्मद 14–श्रीमती शबरून्निशा उम्र लगभग 65 वर्ष पत्नी शफी मोहम्मद सभी निवासीगण– मदारा, तप्पा–हल्लौर, परगना– रसूलपुर तहसील–डुमरियागंज, जिला–सिद्धार्थनगर

–प्रतिवादीगण प्रथम पक्ष

16–अकरम उम्र लगभग 55 वर्ष पुत्र मो० रईस 17–असरफ उम्र लगभग 21 वर्ष पुत्र असलम 18–उसमान उम्र लगभग 19 वर्ष पुत्र असलम 19–हनीफुन्निसा उम्र लगभग 40 वर्ष पत्नी असलम सभी निवासीगण–मदासा, तप्पा–हल्लौर, परगना–रसूलपुर तहसील–डुमरियागंज, जिला–सिद्धार्थनगर।

– प्रतिवादीगण द्वितीय पक्ष

तारीख पेशी– 11–11–2026

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **11–11–2026** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

महिला की हत्या का आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

संवाददाता–गोरखपुर। बेलीपार क्षेत्र में महिला मीरा पांडेय की मौत के मामले में वांछित आरोपी को पुलिस ने बृहस्पतिवार तड़के मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी रवि निषाद के दाहिने पैर में गोली लगी। उसे हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है। मामले में एक अन्य आरोपी लालू उर्फ कृष्णा का नाम भी सामने आया है। पुलिस के अनुसार, बेलीपार थाना क्षेत्र के मलाव गांव निवासी संतोष पांडेय ने 25 अक्तूबर को शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 24 अक्तूबर को वह पत्नी मीरा पांडेय के साथ मोटरसाइकिल से जा रहे थे। इसी दौरान अज्ञात मोटरसाइकिल पर सवार दो लोगों ने उनकी पत्नी को जान से मारने की नीयत से धक्का दे दिया। सड़क पर गिरने से मीरा को गंभीर चोटें आईं। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने हत्या की धारा में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान बेलीपार क्षेत्र के चंदौली बुजुर्ग निवासी रवि निषाद और लालू उर्फ कृष्णा के नाम प्रकाश में आए। एसपी साउथ दिनेश पूरी के मुताबिक, बृहस्पतिवार तड़के करीब 3रू20 बजे थानाध्यक्ष बेलीपार और एंटी थेफ्ट टीम को सूचना मिली कि रवि निषाद कसिहार बंधे के सायफन के पास मौजूद है। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो आरोपी ने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके दाहिने पैर में गोली लगी और उसे पकड़ लिया गया। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

युवक की हत्या के विरोध में दो घंटे जाम रहा लोटन-महराजगंज मार्ग

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। मोहाना थाना क्षेत्र के बेलौहा गांव के पास बुधवार दोपहर भोलू गौड़ उर्फ शिवा (20) की लोहे की रॉड से हमला कर हत्या कर दी गई। घटना से नाराज परिजनों और ग्रामीणों ने बृहस्पतिवार को कार्रवाई की मांग को लेकर लोटन–महराजगंज मार्ग पर जाम लगा दिया। करीब दो घंटे बाद एएसपी प्रशांत कुमार प्रसाद और सीओ सदर विश्वजीत सौर्यान के समझाने पर लोग माने। परिजनों के अनुसार, खखरा निवासी भोलू बाइक से घर के काम से निकला था। बेलौहा गांव के जंगल के पास गांव के ही अभिलाष उपाध्याय ने कथित तौर पर पीछे से लोहे की रॉड से हमला कर दिया। घायल भोलू को पुलिस सीएचसी लोटन ले गई, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मां की तहरीर पर पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है।

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 290/1987
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) स्थान–बांसी जिला–सिद्धार्थनगर

हरिहरदत्त
बनाम
रामानुज

4/1 सुधीर पुत्र जगदीश 4/2 श्रीमती गायत्री देवी विधवा जगदीश साकिन बेनीपुर नानकार तप्पा करही परगना रसूलपुर तहसील डुमरियागंज जिला सिद्धार्थनगर हाल मुकाम हिरावन खास (हिरवा) तहसील इटवा जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी– 21–11–2026

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **21–11–2026** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख **29–10–2026** को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–710/2024

रामकोमल
बनाम
दुर्गा प्रसाद आदि

1. दुर्गा प्रसाद उम्र करीब 30 साल पुत्र राम नेवास 2. ध्रुव कुमार उम्र करीब 28 साल 3. राज कुमार उम्र करीब 35 साल पुत्रगण खेलावन 4. बेलास उम्र करीब साल पुत्र झिनकू 5. श्रीमती गेंदा देवी उम्र करीब 55 साल पत्नी खेलावन निवासीगण ग्राम परसा तकिया तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती

–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

6. राम चरित्र उम्र करीब 40 साल 7. सनी कुमार उम्र करीब 35 साल पुत्रगण जोखू निवासीगण ग्राम परसा तकिया तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती

–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 10–12–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 10 माह 12 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

ईओ शिव कुमार की पहल: बदल रही है इटवा नगर पंचायत की तस्वीर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

इटवा (सिद्धार्थनगर)। नगर पंचायत इटवा में अधिशासी अधिकारी शिव कुमार ने अपने चार महीने के कार्यकाल के दौरान कार्यालयी व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने, कर्मचारियों की सुविधाओं में सुधार करने और विकास कार्यों को गति देने की दिशा में कई पहल की हैं। कार्यालय परिसर को व्यवस्थित बनाने से लेकर क्षेत्र में स्थलीय निरीक्षण, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की निगरानी और आम नागरिकों की समस्याओं को सुनने तक, विभिन्न स्तरों पर सक्रियता दिखाने का प्रयास किया गया है।

ईओ शिव कुमार द्वारा क्षेत्र में पहुंचकर विकास कार्यों और सार्वजनिक स्थलों की स्थिति का जायजा लेने की तस्वीरें भी सामने आई हैं। इन निरीक्षणों के माध्यम से कार्यों की वास्तविक स्थिति समझने और जहां जरूरत हो, वहां संबंधित जिम्मेदारों को सुधार के निर्देश देने पर जोर दिया जा रहा है।

कार्यभार संभालने के बाद ईओ शिव कुमार ने नगर पंचायत कार्यालय की साज–सज्जा और व्यवस्थाओं को दुरुस्त कराने की पहल की। कार्यालय परिसर में गमले लगाए गए, पौधारोपण कराया गया और कर्मचारियों के कमरों में पंखे, अलमारी सहित आवश्यक सामान व्यवस्थित कराया गया, ताकि कार्यालय का वातावरण बेहतर हो और कामकाज सुचारु रूप से संचालित हो सके।

कर्मचारियों की पहचान और सम्मान को ध्यान में रखते हुए सभी कर्मचारियों के पहचान पत्र (आई कार्ड) बनवाए गए। इसके अलावा कर्मचारियों के लिए ईएसआई बीमा और वेतन संबंधी बीमा सुविधाओं को लागू करने की दिशा में भी पहल की गई।

ईओ ने सुपरवाइजरों के साथ बैठक कर उन्हें अपने–अपने क्षेत्रों में समय से उपस्थित रहने, कार्यों की नियमित निगरानी करने और किसी भी समस्या पर त्वरित प्रतिक्रिया देने के निर्देश दिए। कर्मचारियों के साथ बैठक कर समयबद्ध तरीके से काम

पूरा करने तथा अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करने पर जोर दिया गया। साथ ही कर्मचारियों की व्यक्तिगत और कार्यस्थल से जुड़ी समस्याओं में यथासंभव सहयोग का भरोसा भी जताया।

नगर पंचायत क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए ईओ शिव कुमार ने अवर अभियंता (जेई) के साथ विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए ठेकेदारों के साथ बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए गए। जहां कमियां मिलने की आशंका रही, वहां सुधार करने की हिदायत और जरूरत के अनुसार चेतावनी देने की बात भी सामने आई।

शासन से प्राप्त धनराशि के अंतर्गत प्रस्तावित कार्यों की टेंडर प्रक्रिया आगे बढ़ाने तथा अधूरे कार्यों को पूरा कराने पर भी ध्यान दिया गया। जिन कार्यों के उपयोगिता प्रमाणपत्र (यूसी) भेजे जाने शेष थे, उनके प्रमाणपत्र शासन को भेजकर दूसरी किस्त की धनराशि की मांग की गई, जिससे संबंधित कार्यों को समय से पूरा कराने में मदद मिल सके।

नगर पंचायत की सीमा को स्पष्ट रूप से दर्शाने के लिए स्वागत द्वार के माध्यम से सीमा चौहद्दी को प्रदर्शित करने की पहल की गई। मुख्य सड़कों के किनारे पौधारोपण अभियान चलाकर हरियाली बढ़ाने का प्रयास भी किया गया। इन पहलों का उद्देश्य नगर क्षेत्र को अधिक व्यवस्थित और सुंदर बनाना तथा नागरिक सुविधाओं में सुधार करना है।

नगर पंचायत क्षेत्र के वार्डों की समस्याओं को समझने के लिए ईओ ने सभासदों के साथ बैठक की और उनके क्षेत्रों का निरीक्षण करने का क्रम शुरू किया। वार्डों में साफ–सफाई, विकास कार्यों और नागरिक सुविधाओं से संबंधित समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर समझने तथा उनके समाधान की दिशा में समन्वय बनाने पर जोर दिया जा रहा है।

व्यापार मंडल से जुड़े लोगों और आम नागरिकों की शिकायतों पर भी त्वरित प्रतिक्रिया देने का प्रयास किया गया। आईजीआरएस और आरटीआई से जुड़े मामलों में संबंधित लोगों से सीधे बातचीत कर समस्या की वास्तविक स्थिति समझने और नियमानुसार कार्रवाई करने की पहल को भी कार्यशैली का हिस्सा बताया जा रहा है।

ईओ शिव कुमार के कार्यकाल की एक उल्लेखनीय पहल कर्मचारियों के सुख–दुख में शामिल होना भी बताई जा रही है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, वह कर्मचारियों के निजी दुख–सुख में सहभागी बनने के लिए उनके घर तक पहुंचे। कार्यालय आने वाले लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याएं जानने, जरूरतमंदों को सहयोग देने और उनके काम को नियमानुसार जल्द पूरा कराने पर भी ध्यान दिया गया।

कुल मिलाकर, इटवा नगर पंचायत में ईओ शिव कुमार के चार महीने के कार्यकाल के दौरान कार्यालयी व्यवस्था, कर्मचारी सुविधाओं, पौधारोपण, विकास कार्यों की निगरानी और जनसुनवाई को लेकर कई पहल किए जाने की जानकारी सामने आई है। क्षेत्र में किए जा रहे स्थलीय निरीक्षणों को भी इसी प्रयास का हिस्सा माना जा रहा है।

अब इन पहलों का असर नगर की साफ–सफाई, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, नागरिक सुविधाओं और शिकायतों के निस्तारण में कितना दिखाई देता है, यह संबंधित कार्यों की प्रगति और उनके परिणामों से स्पष्ट होगा। इसे एक उम्मीद के रूप में देखा जा रहा है।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान तृतीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–469/2021

ओम प्रकाश
बनाम
रामजनम आदि

1. रामजनम 2. सियाराम पुत्रगण काशीराम 3. तुलसीराम पुत्र जगरनाथ साकिनान हलुआ तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हरैंया जिला बस्ती 4. गोलहई प्रसाद 5. दयाशंकर पुत्रगण बेचू 6. अमरचन्द्र पुत्र उमाशंकर 7. श्रीमती पदमावती पत्नी महेन्द्र कुमार साकिनान हलुआ तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हरैंया जिला बस्ती 8. जोखन 9. राममिलन पुत्रगण ब्रहमादीन साकिनान रानीपुर तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हरैंया जिला बस्ती 10. श्रीमती अजोरमती पत्नी सत्यनरायन साकिन सिरसिया तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हरैंया जिला बस्ती 11. श्रीमती कुशलावती पत्नी रघुवर साकिन सिरसिया तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हरैंया जिला बस्ती

तारीख पेशी 16–11–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 16 माह 11 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

प्रादेशिक एथलेटिक्स प्रतियोगिता के लिए बस्ती मण्डल की टीम प्रयागराज रवाना

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। प्रयागराज के मदन मोहन मालवीय स्पोर्ट्स स्टेडियम में 30 अक्टूबर से 3 नवंबर तक आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए बस्ती मंडल की टीम गुरुवार को बस्ती रेलवे स्टेशन से रवाना हुई। प्रतियोगिता में मंडल के कुल 70 एथलीट प्रतिभाग करेंगे, जिनमें 36 बालक और 34 बालिकाएं शामिल हैं।

मंडल के तीनों जनपदों से चयनित खिलाड़ी प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इनमें जनपद बस्ती से 20 बालिकाएं और 16 बालक,

संतकबीरनगर से 7 बालिकाएं और 13 बालक तथा सिद्धार्थनगर से 7 बालिकाएं और 7 बालक शामिल हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक संजय सिंह ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। ऐसी प्रतियोगिताओं से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि बस्ती मंडल के खिलाड़ी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर मंडल का गौरव बढ़ाएंगे। जिले के शारीरिक शिक्षक प्रभाकर रंजन ओझा की विशेष ड्यूटी संयुक्त शिक्षा निदेशक, प्रयागराज के आदेश पर प्रतियोगिता में लगाई गई है। वह प्रतियोगिता के दौरान अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगे। बालिका टीम की मैनेजर पूर्णिमा तिवारी और रेखा तथा बालक टीम के मैनेजर शैलेंद्र कुमार और विनय कुमार शाह हैं। टीम के साथ कोच के रूप में जोखू प्रसाद, राजकुमार यादव, हरीश सिंह और प्रभाकर सिंह भी रवाना हुए हैं।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अदालत–श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती
निगरानी सं0–114/2025

शिवदास
बनाम
सरकार उ0प्र0 आदि

1. गांव पंचायत/गांवसभा भितेहरा जरिये प्रधान तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला बस्ती 2. अध्यक्ष भूमि प्रबन्धक समिति भितेहरा जरिये ग्राम पंचायत भितेहरा तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला बस्ती 3. दुर्योधन उम्र 62 वर्ष पुत्र रामदेव साकिन भितेहरा तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला बस्ती

तारीख पेशी 21–11–2026

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0
रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 21 महीना 11 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 29 माह 10 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

हैण्डलिंग कार्य हेतु

कार्यालय संभागीय उप निदेशक (प्रशासन/विपणन)

राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद उ0प्र0

नवीन मण्डी स्थल– बस्ती

पत्रांकः स0उ0नि0प्र0बस्ती/ निविदा/ 2026–219 दिनांक 29.10.2026

अति अल्पकालीन निविदा सूचना :–

अपर आयुक्त खाद्य एवं रसद विभाष, उ०प्र० जवाहर भवन लखनऊ के पत्र संख्या–1/1475387/2026 दिनाक 25.9.2026 एवं अपर निर्देशक महोदय, मण्डी परिषद लखनऊ के पत्रांक सं० विप०–3/धान खरीद (2026–27)– 338 दिनांक 12.10.2026 के द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में खरीफ विपणन वर्ष 2026–27 एवं आगामी रवी विपणन वर्ष 2027–28 में बस्ती सम्भाग के अन्तर्गत भण्डी/उपमण्डी स्थलों हेतु जिलाधिकारी द्वारा स्वीकृत के पश्चात खोले जाने वाले कय केन्द्रों पर धान/गेहूं खरीद कार्य किया जाना प्रस्तावित है। स्वीकृत / सम्भावित कय केन्द्रों के हैण्डलिंग कार्यों हेतु दिनांक 05.11 2026 को ई निविदा आमंत्रित की जाती है। भविष्य में जिलाधिकारी महोदय के अनुमोदनोपरान्त क्रय केन्द्रों की संख्या घट–बढ़ सकती है। यदि कोई धान/गेहूं क्रय केन्द्र जिलाधिकारी स्तर से अनुमोदित नहीं किया जाता है अथवा जिलाधिकारी द्वारा किसी केन्द्र को अनुमोदन के उपरान्त निरस्त किया जाता है तो उसके सापेक्ष प्राप्त निविदायें/नियुक्त आदेश स्वतः निरस्त मानी जायेगी, जो कि समस्त निविदादाताओं / फर्मों को मान्य एवं बाध्यकारी होगा।

हैण्डलिंग कार्य हेतु निर्धारित निविदा प्रपत्र मूल्य, धरोहर धनराशि, निविदा की शर्ते निविदा खुलने की तिथि एवं अन्य सम्बन्धित जानकारी http://etender.up.nic.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।

1. हैण्डलिंग कार्य हेतु निविदा प्रपत्र शुल्क रु० 1000-00 +180 (G.S.T) कुल रू0 1180.00 (रूपये एक हजार एक सौ अस्सी मात्र) (नान रिफन्डेवल) तथा धरोहर धनराशि रू० 30000.00 (रूपये तीस हजार मात्र) निविदा के साथ निर्धारित है।

A/C NAME	DY. DIRECTOR (ADMINISTRATION/MARKETING)
A/C NO.	30386924496
IFS CODE	SBIN0011200
BANK NAME & ADDRESS	STATE BANK OF INDIA, BRANCH SAUNGHAT] BASTI

निविदा शुल्क व धरोहर धनराशि के विभाग के खाते में जमा किये जाने की रिसीप्ट की ''स्कैन्ड कॉपी'' ऑनलाइन निविदा प्रपत्र के साथ निविदादाता द्वारा अपलोड की जायेगी।

निविदा प्रपत्र ऑनलाइन वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनाँक 05.11.2026 को अपरान्ह 14.00 बजे तक अपलोड की जा सकती है। दिनांक 05.11.2026 को हार्डकापी 15.00 बजे तक कार्यालय में उपलब्ध करायी जायेगी। टेक्निकल विड दिनांक 05.11.2026 को 15.00 बजे ई–निविदा समिति के द्वारा आनलाइन खोली जायेगी। टेक्निकल विड के प्रपत्रों की जॉचोपरान्त अर्ह निविदादाताओं की ही वित्तीय निविदा पर विचार किया जायेगा। तदोपरान्त वित्तीय निविदा, निविदा समिति द्वारा खोली जायेगी। निविदा को बिना कोई कारण बताये अस्वीकार करने का अधिकार सम्भागीय उपनिदेशक (प्रशासन / विपणन), मण्डी परिषद बस्ती के पास सुरक्षित होगा। निविदा की किसी भी शर्त में परिवर्तन तथा शुद्धि पत्र आदि की सूचना केवल ई–टेण्डर वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध होगें। अतः समस्त इच्छुक निविदादाता उक्त वेबसाइट को नियमित रूप से देखते रहें।

(ज्योति यादव)
उप निदेशक (प्रशा./विप.)

आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी राम प्रताप पुत्र मिट्ठूलाल ग्राम– नरहरिया पाण्डेय थाना– पुरानी बस्ती, जनपद बस्ती का निवासी है। मेरे भाई शिवकुमार की मृत्यु करीब 7 साल पहले हो चुकी है। उनके पास कोई औलाद नहीं थी न ही उनकी शादी हुई थी। कलकत्ता की रहने वाली एक महिला को लाये थे जो एक वर्ष के भीतर शिवकुमार का साथ छोड़कर चली गई थी। उसका कोई सम्बन्ध शिवकुमार से पति, पत्नी का नहीं था। करीब 25 वर्षो से उसका कोई पता नही है। जीवित है या मृत्यु हो गयी इसकी कोई सूचना नहीं है। मैं राम प्रताप पुत्र मिट्ठूलाल भाई शिवकुमार की सम्पत्ति के वारिस हैं। प्रकाशन इसलिये करा रहा हूं कि वक्त जरूरत पर काम आवे।

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com